सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

जसप्रीत बुमराह के पास इतिहास रचने का मौका, रिकॉर्ड तोड़ने से मात्र तीन विकेट दूर -पेज: 7

द गर्लफ्रेंड कोई साधारण प्रेम कहानी नहीं : रश्मिका मंदाना -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 200 | बुधवार 29 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

छठ के बाद गदगद भाजपा ने कसा तंज कहा- केजरीवाल के साथ यमुना का झाग भी चला गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुना में छठ के सफल आयोजन के बाद भारतीय जनता पार्टी और दिल्ली में इसकी सरकार पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर इस तरह के तरन्नुम के साथ तंज कस रही है। भाजपा ने कहा ने कि केजरीवाल के साथ यमुना का झाग भी चला गया है। वे बैन लगाए बैठे थे और हम नैन बिछाए बैठे हैं। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने सुबह के अर्घ्य के बाद घाट पर मीडिया से बात करते हुए कहा, केजरीवाल गया, झाग गया। इस बार कहीं झाग नहीं है यमुना में। सुंदर छठ पूजा हो रही है। मुझे लगता है कि जो घाट पर है जो छठ मना रहा है, उनके चेहरों से... आप किसी से माइक लगाकर पूछ लीजिए। जमीन आसमान का अंतर है। मुख्यमंत्री ने खुद लीड लिया, एक एक घाट पर गईं।

दिल्ली में ऐसी कोई सरकार आई नहीं है। एक एक मंत्री घाट पर खड़े हैं। व्यवस्था सारी ठीक है। लोगों के चेहरे बता रहे हैं कि खुश हैं। जो लोग यमुना में प्रदूषण करते थे, झाग करते थे, छठ पर बैन लगाते थे उन्हें दिल्ली के लोगों ने बाहर कर दिया। वो बैन लगाकर बैठे थे हम नैन बिछाकर बैठे हैं। दिल्ली सरकार की ओर से इस साल यमुना किनारे छठ के लिए विशेष तैयारी की गई थी। पल्ला से लेकर कालिंदी कुंज तक यमुना नदी के किनारे कुल 17 प्वाइंट पर मॉडल छठ घाटों का निर्माण किया गया है। इन घाटों पर टेंट, लाइट, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय और मेडिकल सहायता जैसी सभी व्यवस्थाएं दिल्ली सरकार द्वारा सुनिश्चित की गई। एक तरफ जहां दिल्ली की भाजपा सरकार यमुना में छठ आयोजन के लिए अपनी पीठ थपथपा रही है तो दूसरी तरफ विपक्षी आम आदमी पार्टी उस पर लगातार हमलावर है। आप का आरोप है कि भाजपा सरकार ने खतरनाक केमिकल के सहारे झाग को खत्म किया है और इसकी वजह से पवित्र नदी और प्रदूषित हो गई। इसके अलावा वासुदेव घाट पर फिल्टर किए गए पानी से नकली यमुना घाट बनाने का भी आरोप लगाया।

दिल्ली सरकार की ओर से यमुना किनारे बनाए गए 17 मॉडल घाटों पर पूर्वांचल के हजारों श्रद्धालुओं ने पहले डूबते और फिर उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व को धूमधाम से मनाया। कई सालों पर बाद यमुना किनारे आयोजित छठ पर दिल्ली सरकार की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए थे। खुद मुख्यमंत्री और कैबिनेट के अन्य मंत्री घाटों पर मौजूद रहे।सुबह के अर्घ्य से पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा,

पिछले वर्षों में जब सरकार सुविधाएं नहीं देती थी, पूर्वांचल के भाई बहन इधर-उधर भटकते थे। गली मोहल्लों में छोटे तालाब बनाकर पूजा करते थे। वर्षों बाद मां यमुना के तट पर मां यमुना के जल में छठी मैय्या की आराधाना करते हुए भगवान सूर्यनारायण को जल चढ़ा रहे हैं। यह मेरे लिए संतोष का विषय है कि मेरी सरकार आपकी अपेक्षाओं पर खड़ी उतरी है। जो रौनक और व्यवस्था इस बार दिल्ली में है उसकी चर्चा पूरे देश में है। मैं चाहती हूं कि छठी मैय्या का आशीर्वाद पूरी दिल्ली पर, ढाई करोड़ जनता पर हमेशा बनी रहे। विकसित भारत हो और विकसित दिल्ली हो। वर्षों से दिल्ली मुर्झाई हुई थी, वर्षों से तकलीफ में थी।

महिला डॉक्टर मामले में नए खुलासे... पूजा, लड़ाई और फिर आत्महत्या

सतारा (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक 28 वर्षीय महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले में नए खुलासे हुए है। महिला डॉक्टर ने आत्महत्या करने से पहले दो आरोपियों में से एक, प्रशांत बानकर के घर हो रही पूजा (लक्ष्मी पूजा) में हिस्सा लिया था। वहाँ उनकी प्रशांत बानकर से बहस हुई। इसके बाद वह वहाँ से निकलीं और एक होटल में जाकर अपनी जान दे दी। डॉक्टर ने अपनी हथेली पर सुसाइड नोट लिखा था और 4 पन्ने का एक पत्र भी छोड़ा था। महिला डॉक्टर ने पुलिसकर्मी गोपाल बडाने पर रेप करने का आरोप लगाया था और सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत (जो उनके मकान मालिक का बेटा है) पर उन्हें ब्लैकमेल करने और मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों गोपाल और प्रशांत बानकर को गिरफ्तार कर लिया है। इस बहुचर्चित मामले में सतारा पुलिस प्रमुख तुषार दोशी ने बताया कि पुलिस ने डॉक्टर और दोनों आरोपियों के बीच की चैट को रिकवर कर लिया है। डॉक्टर की बडाने से बातचीत मार्च में खत्म हो गई थी, लेकिन वह प्रशांत बानकर के संपर्क में थीं। महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकनकर के अनुसार लक्ष्मी पूजन के दिन डॉक्टर बानकर के घर पर थीं। ऐसा लगता है कि तस्वीरें खींचने को लेकर दोनों में बहस हुई थी क्योंकि तस्वीरें ठीक से नहीं ली गई थीं। बहस के बाद वह घर छोड़कर चली गईं, हालांकि बानकर के पिता उन्हें वापस ले आए, लेकिन वह फिर एक लॉज (होटल) में चली गईं। चाकनकर ने बताया कि डॉक्टर ने बानकर को संदेश भेजे थे जिसमें उन्होंने कोई बड़ा कदम उठाने का संकेत दिया था, और उस रात उन्हें फोन भी किया था। पुलिस इंस्पेक्टर बडाने के खिलाफ रेप के आरोपों की और दोनों आरोपियों के संयुक्त ठिकानों और चैट की जाँच चल रही है। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आत्महत्या का कारण फांसी लगाना बताया गया है।

दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद विकास उर्फ बग्गा को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने द्वारका में मुठभेड़ के बाद विकास उर्फ बग्गा को गिरफ्तार किया है, जो अनिल चिप्पी और काला जठेड़ी गिरोह का संदिग्ध सदस्य है। विकास उर्फ बग्गा हरियाणा के रोहतक का निवासी है और हत्या, हत्या के प्रयास और डकैती के कई मामलों में वांछित था। दिचाऊं–हिरणकूदना रोड पर मंगेसपुर ड्रेन पटरी के पास। आरोपी स्कूटर पर आया और उसने पुलिस पर कथित तौर पर गोलियां चलाईं। एक गोली हेड कांस्टेबल की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी और वह बाल–बाल बच गया। पुलिस ने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली आरोपी के दाहिने पैर में लगी। आरोपी को काबू कर गिरफ्तार कर लिया गया और इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हरियाणा में हत्या और हत्या के प्रयास के मामले में शामिल। दिल्ली के रोहिणी जिले में दर्ज डकैती–हत्या के एक मामले में भी आरोपी, जहाँ उसने कथित तौर पर एक व्यक्ति को गोली मारी और उसकी मोटरसाइकिल लेकर भाग गया। वह एक शातिर अपराधी है जिसके अनिल चिप्पी और काला जठेड़ी गिरोह से संबंध हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने द्वारका इलाके में एक मुठभेड़ के बाद काला जठेड़ी गिरोह से जुड़े दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार किया था। पकड़े जाने से पहले दोनों अपराधियों के पैरों में गोली लगी थी। 18 मार्च को, द्वारका पुलिस ने जबरन वसूली से जुड़ी हिंसा में शामिल गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया था। ये गिरफ्तारियाँ लगातार दो मुठभेड़ों के दौरान हुईं, जहाँ पुलिस ने संदिग्धों को निष्क्रिय करने के लिए गैर–घातक गोलियाँ चलाईं।

राजस्थान में चक्रवात मोंथा का असर, कई जिलों में अति भारी बारिश

जयपुर (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बने भीषण चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का असर राजस्थान तक पहुंच गया है। राज्य के दक्षिणी और पूर्वी जिलों में भारी से अति भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में बूंदी के नैनवा में 130 मिमी बारिश हुई है। राजधानी जयपुर में बादल छाए रहने और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर ने बताया कि आज भी उदयपुर, कोटा संभाग में भारी बारिश की संभावना है, जबकि जयपुर, अजमेर और भरतपुर संभाग में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। राज्य में बारिश का दौर 29 अक्टूबर तक जारी रहेगा। चक्रवात मोंथा फिलहाल आंध्र प्रदेश तट के पास केंद्रित है और 110 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। यह आज रात काकीनाडा के पास तट से टकरा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश को हरसंभव सहायता का भरोसा दिया है। राजस्थान में मौसम के इस बदलाव से तापमान में 4 से 6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है।

हिमाचल प्रदेश को प्राकृतिक आपदाओं से हुआ 46,000 करोड़ का नुकसान

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश को पिछले चार वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन से लगभग 46,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। यह जानकारी 'हिमाचल प्रदेश मानव विकास रिपोर्ट 2025- जलवायु प्रभावित विश्व में भविष्य का निर्माण' रिपोर्ट में दी गई। यह रिपोर्ट राज्य के पर्यावरण एवं विज्ञान विभाग ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के सहयोग से तैयार की गई है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि राज्य को पिछले पांच मानसून सीजन में अभूतपूर्व नुकसान झेलना पड़ा, जिसमें लगभग 1,700 लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट के अनुसार, अनियमित वर्षा से पारंपरिक जल स्रोतों का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा सूख चुका है, जिससे जल संकट गहराता जा रहा है। इसके अलावा, जंगल की आग की घटनाएं 2022–23 में 856 से बढ़कर 2024–25 में 2,580 तक पहुंच गईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर जलवायु परिवर्तन की रफ्तार यही रही, तो आने वाले वर्षों में कृषि, पर्यटन और ग्रामीण जीवन पर इसका गंभीर असर पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को लेकर नई नीति पर काम कर रही है।

केस जारी रखने पर अड़ीं महिंदर ने कहा– कंगना को माफ नहीं करुंगी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिन एक मानहानि से जुड़े मामले का सामना कर रही हैं। खबर है कि 82 वर्षीय महिंदर कौर ने उनके खिलाफ केस जारी रखने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि रनौत उनसे मिलने कभी नहीं पहुंचीं और वह उन्हें माफ नहीं करेंगी। मानहानि का यह मामला अभिनेत्री की तरफ से कौर के एक ट्वीट को अपनी टिप्पणी के साथ रीट्वीट करने पर आधारित है। रनौत सोमवार को मानहानि के एक मामले में बठिंडा की एक अदालत में पेश हुईं और कहा कि उनके 2021 के ट्वीट को लेकर गलतफहमी पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि उनके लिए हर माता सम्माननीय है। अदालत ने पिछले साल सितंबर में हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा सदस्य को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया था। साथ ही वीडियो कांफ्रेंस के जरिए पेश होने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। रनौत की पेशी से पहले बठिंडा अदालत परिसर और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। रनौत ने साल 2020–21 के दौरान किए अपने पोस्ट को लेकर बठिंडा कोर्ट में सोमवार को माफी मांग ली है। इसके बाद उन्हें 50 हजार रुपये के बेल बॉन्ड के बाद जमानत मिल गई है। बातचीत में कौर ने कहा, वह (कंगना) कभी मुझसे नहीं मिलीं। मैं उन्हें माफ नहीं करूंगी। वह बहुत बड़ी अभिनेत्री और राजनेता हैं। जबकि मैं एक छोटी किसान हूं। इसके बाद भी उन्होंने इस उम्र में मुझे कोर्ट आने पर मजबूर किया। उन्हें एहसास होना चाहिए कि उनके एक दौरे से सरकारी खजाने पर कितना असर पड़ता है और जनता को कितनी तकलीफ होती है। उनका कहना है कि टिप्पणी को गलत तरीके से समझा गया। यह बात सही नहीं है। अभिनेत्री ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की है। उन्होंने कहा, महिंदर (कौर) जी के परिवार के साथ जो भी गलतफहमी हुई, मैंने माता जी को उनके पति को संदेश दिया कि किस तरह वह गलतफहमी का शिकार हुई हैं। महिंदर कौर अदालत में मौजूद नहीं थीं, लेकिन उनके पति उपस्थित थे।

सीएम यादव कानून-व्यवस्था में पूरी तरह असफल: दिग्विजय सिंह

– फतेहगढ़ हत्याकांड के दोषियों को मिले फांसी

– एसआईआर पर भी उठाए सवाल

गुना (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह सोमवार को गुना के दौरे पर रहे, जहाँ उन्होंने पत्रकारों से विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति और हाल ही में गुना के फतेहगढ़ क्षेत्र में हुई निर्मम हत्या पर तीखी टिप्पणी की है।

दिग्विजय सिंह ने गुना के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के गणेशपुरा में हुए किसान की निर्मम हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने मांग की कि इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले सभी दोषियों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि वह और उनके पुत्र जयवर्धन सिंह पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के लिए 28 अक्टूबर को गणेशपुरा जाएंगे। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार के साथ उनकी पूरी सहानुभूति है। इंदौर में आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के साथ हुई घटना पर बोलते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि मामले में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि स्थानीय पुलिस ने खिलाड़ियों को पर्याप्त सुरक्षा क्यों नहीं दी? भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय द्वारा यह कहने पर कि क्रिकेट टीम को उन्हें बताकर निकलना था, इस पर दिग्विजय सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह राज्य में कानून-व्यवस्था की लचर स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह असफल रहे हैं।

दिग्विजय सिंह ने एसआईआर और मतदाता सूची को लेकर कहा कि बिहार में 2003 में एसआईआर को लागू करने में दो साल लगे थे, लेकिन इस बार इसे केवल एक महीने के अंदर कैसे कर लिया गया, यह समझ से परे है। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा कि वहां 62 लाख वोट काट दिए गए और 20 लाख वोट जोड़े गए, जिनमें 5 लाख वोट ऐसे शामिल हैं जिन्होंने आवेदन ही नहीं दिया। उन्होंने कहा कि इससे मतदाता सूची के निर्माण पर शंका उत्पन्न होती है।

एसआईआर के मापदंडों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि 2003 के बाद पहली बार वोट डालने वालों को नागरिकता प्रमाणित करनी होगी, लेकिन इसमें आधार कार्ड को शामिल नहीं किया गया है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को शामिल करने के लिए कहा था।

फिर बस में लगी आग: 03 की मौत, 10 झुलसे

जयपुर के पास हाईटेंशन लाइन से टकराई बस में लगी आग फिर सिलेंडरों में हुए धमाके

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के पास मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की जान चली गई और 10 से ज्यादा लोग बुरी तरह झुलस गए। हादसा तब हुआ जब मजदूरों को लेकर जा रही एक बस हाईटेंशन बिजली की लाइन के संपर्क में आ गई, जिससे बस में आग लग गई। बस में रखे गैस सिलेंडरों में भी धमाके हुए, जिससे आग और तेज फैल गई। यह दर्दनाक घटना जयपुर से करीब 50 किलोमीटर दूर मनोहरपुर इलाके में होना बताया गया है।

यहां बताते चलें कि पिछले 15 दिनों में यह देश का पांचवां बड़ा बस हादसा है, जिसने सड़क सुरक्षा और ओवरलोड वाहनों पर निगरानी को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बस में आग और धमाके होने को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था, कि बस जैसे ही बिजली की तारों के नीचे से गुजरी, उसमें तेज धमाके के साथ आग भड़क उठी। अंदर बैठे यात्री बाहर निकलने की कोशिश करने लगे, लेकिन आग इतनी तेज थी कि कई लोग झुलस गए। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और जान जोखिम में डालकर कई लोगों को बस से बाहर निकाला। बस में करीब 25 मजदूर सवार थे, जो उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले से ईंट भट्टे पर काम करने के लिए टोडी गांव जा रहे थे। हादसे में तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, मृतकों में नसीम (50) पुत्र अली हुसैन और उनकी बेटी सहीनम (20) शामिल हैं, जबकि तीसरे मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है।

झुलसे 10 से अधिक मजदूरों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। इन्हें जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी, पुलिस अधीक्षक, और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं।

फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों ने मिलकर करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ग्रामीणों का कहना है कि बस में 5 से ज्यादा सिलेंडर रखे थे, जिनमें एक-एक कर धमाके होते रहे। विस्फोट की आवाज कई किलोमीटर तक सुनाई दी। जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने और घायलों के इलाज की पूरी व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

पाकिस्तानी सेना ने सीजफायर का उल्लंघन कर लीपा घाटी में गोलीबारी की.... सेना ने दिया जबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना ने 26 और 27 अक्टूबर की दरमियानी रात को जम्मू–कश्मीर की लीपा घाटी में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सीजफायर का उल्लंघन किया। पाकिस्तानी सेना ने छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोटार्र दागे, जिसमें भारतीय सेना की चौकियों को निशाना बनाया गया। भारतीय सेना ने इस अकारण गोलीबारी का उचित, माकूल और मुंहतोड़ जवाब दिया, जिसके बाद एलओसी पर तनाव बढ़ गया है। ख़बर में यह भी बताया गया है कि पाकिस्तान ने 28–29 अक्टूबर के लिए घबराहट में अपने सेंट्रल और दक्षिणी एयरस्पेस में कई एयर ट्रैफिक रूट्स पर रोक लगा दी है। हालाँकि पाकिस्तान ने प्रतिबंध का कारण नहीं बताया, लेकिन जानकार का मानना है कि यह भारत के त्रिशूल की तैयारी के दौरान किसी मिलिट्री एक्सरसाइज या संभावित हथियारों के टेस्ट से जुड़ा हो सकता है। भारत ने भी 30 अक्टूबर से 10 नवंबर तक पाकिस्तान बॉर्डर के पास सर क्रीक में एक बड़े पैमाने पर ट्राई–सर्विसेज मिलिट्री एक्सरसाइज के लिए एक नोटम (नोटम) जारी किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से, दोनों देशों द्वारा मिलिट्री एक्सरसाइज के लिए बॉर्डर पर नोटम जारी करना अब आम बात हो गई है। एलओसी पर हुए ताजा सीजफायर उल्लंघन, भारतीय सेना के जवाबी कदम और भारत–पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते सैन्य तनाव को दर्शाती है, जो दोनों देशों द्वारा एक–दूसरे की सैन्य गतिविधियों पर नज़र रखने और प्रतिक्रिया देने के रूप में प्रकट हो रहा है।

हम डॉक्टरों का ध्यान नहीं रखेंगे... तब समाज हम लोगों को माफ नहीं करेगा

सुप्रीम कोर्ट कोरोना में जान गंवाने वाले चिकित्सकों को लेकर की टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले से जुड़ी है जिसमें शीर्ष अदालत ने निजी क्लीनिकों, औषधालयों और गैर-मान्यता प्राप्त अस्पतालों में कोविड-19 से लड़ते हुए जान गंवाने वाले चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को बीमा पॉलिसी में शामिल नहीं किए जाने के खिलाफ़ दायर याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि न्यायपालिका चिकित्सकों का ध्यान नहीं रखेगी और उनके लिए खड़ी नहीं होगी, तब समाज हमें माफ नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बीमा कंपनियाँ वैध दावों का निपटारा करें। कोर्ट ने इस धारणा को ग़लत बताया कि निजी चिकित्सक सिर्फ मुनाफा कमाने के लिए काम कर रहे थे, यह सिर्फ़ इसलिए नहीं कहा जा सकता कि वे सरकारी ड्यूटी पर नहीं थे। पीठ ने कहा कि अगर यह शर्त पूरी होती है कि वे कोविड-19 से निपटने के लिए काम कर रहे थे और कोविड के कारण उनकी मौत हुई है, तब बीमा कंपनी को भुगतान करने के लिए बाध्य करना चाहिए।

यह याचिका मुंबई उच्च न्यायालय के 9 मार्च 2021 के आदेश के ख़िलाफ़ दायर की गई थी। याचिकाकर्ता प्रदीप अरोड़ा और अन्य थे। मुंबई उच्च न्यायालय ने अपने फ़ैसले में कहा था कि निजी अस्पताल के कर्मचारी बीमा योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के हक़दार नहीं हैं, जब तक कि राज्य या केंद्र सरकार द्वारा उनकी सेवाओं की मांग न की जाए।

यह मामला किरण भास्कर सुरगड़े नाम की महिला से जुड़ा था, जिनके पति (थाणे में एक निजी क्लिनिक चलाने वाले) की 2020 में कोरोना वायरस के कारण मौत हो गई थी। बीमा कंपनी ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत किरण के दावे को इस आधार पर ख़ारिज कर दिया था कि उनके पति के क्लिनिक को कोविड-19 अस्पताल के रूप में मान्यता नहीं दी गई थी। शीर्ष अदालत ने केंद्र को प्रधानमंत्री बीमा योजना के अलावा उपलब्ध अन्य समान या समानांतर योजनाओं के बारे में प्रासंगिक आँकड़े और जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि वे सिद्धांत निर्धारित करेंगे और उसके आधार पर बीमा कंपनी से दावे किए जा सकेंगे। बीमा कंपनी को कोर्ट के फ़ैसले के आधार पर विचार करना और आदेश पारित करना होगा।

उद्धव ने शाह की तुलना एनाकोंडा से की कहा- मुंबई को निगलने की कोशिश

मुंबई, (एजेंसी)। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जमकर निशाना साधा। वर्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं की रैली के दौरान उन्होंने शाह की तुलना एनाकोंडा और अब्दाली से की। ठाकरे ने भाजपा पर मुंबई को राजनीतिक हेरफेर और भूमि हड़पने के जरिए निगलने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने किसी भी ऐसी कोशिश का विरोध करने की प्रतिज्ञा की। शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना में छपी एक रिपोर्ट का ठाकरे ने हवाला दिया, जिसमें भाजपा के नए कार्यालय को बिजली की गति से भूमि हड़पकर बनाए जाने का जिक्र था। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी की तुलना जिजामाता उद्यान में हाल ही में लाए गए एनाकोंडा से की।

उद्धव ठाकरे ने इस दौरान सत्तारूढ़ भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कटाक्ष किया कि लोकतंत्र में मतदाता सरकार चुनते हैं, लेकिन आज सरकार मतदाताओं को चुनती है। ठाकरे ने कहा, फर्जी मतदाताओं के कदाचार के लिए चुनाव आयुक्त के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव जीतने और केंद्र में सरकार बनाने के बाद चुनाव आयुक्तों के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा और उन्हें मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने आत्मनिर्भर भारत का आह्वान किया था, लेकिन वह अब भी आत्मनिर्भर बीजेपी नहीं बन सकी है क्योंकि वह पार्टियों को तोड़ने और वोट चुराने का सहारा लेती है। उन्होंने कहा कि भाजपा स्वयंभू देशभक्तों का फर्जी गिरोह है। उद्धव ठाकरे ने कहा, जैसे एनाकोंडा अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को निगल जाता है, वैसे ही वे मुंबई को गटकना चाहते हैं। ठाकरे ने अमित शाह और भाजपा की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। ठाकरे ने भाजपा नेताओं की तुलना अफगान आक्रमणकारी अहमद शाह अब्दाली से भी की। उन्होंने दावा किया कि वे मुंबई पर कब्जा करने आए हैं। असली अब्दाली फिर आए हैं, इस बार दिल्ली और गुजरात से। अगर वे हमारा शहर लेने की कोशिश करेंगे तो उनकी कब्र हमारे ही धरती पर बनेगी। शिवसेना यूबीटी चीफ ने महाराष्ट्र की राजनीतिक और आर्थिक लूट को ऐतिहासिक व्यक्तियों से भी जोड़ा। गुजराती नेता मोरारजी देसाई पर अपने कार्यकाल में महाराष्ट्रीयन प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश देने का आरोप लगाया।

आरएसएस को लेकर सिद्धारमैया सरकार को कर्नाटक हाईकोर्ट से फटकार... उन्हें इसका संवैधानिक अधिकार कहां से मिला

बेंगलुरु (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रमों पर रोक लगाने को लेकर कर्नाटक सरकार के आदेश पर अब हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। जस्टिस एम नागाप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कर्नाटक सरकार और हुबली पुलिस कमिश्नर के आदेश पर अंतरिम रोक लगाकर कहा है कि उन्हें इसका संवैधानिक अधिकार कहां से मिल गया। 18 अक्टूबर को राज्य सरकार ने कहा था कि बिना इजाजत के 10 से ज्यादा लोगों का इकट्ठा होना अपराध है। इसके अलावा पार्क, सड़कों और खेल के मैदान में ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने पर कार्रवाई होगी।

हाई कोर्ट ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 19 (1)(ए),19 (1) (बी) के तहत दिए गए अधिकारों पर सरकार रोक नहीं लगा सकती है। कोर्ट ने कहा कि सभी को अभिव्यक्ति का अधिकार और शांतिपूर्ण ढंग से सभा करने का अधिकार मिला है और इसमें सरकार देखल नहीं दे सकती। इस मामले में अभी आगे की सुनवाई होनी है। फिलहाल कोर्ट के इस आदेश से आरएसएस को अंतरिम राहत मिल गई है।

बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा था कि संघ के खिलाफ ये सारे कदम प्रियांक खरगे के इशारे पर उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, आरएसएस अपनी गतिविधियां शांतिपूर्ण तरीके से करता है। वह जुलूसी भी शांति से निकालता है। वहीं कर्नाटक की कैबिनेट ने आरएसएस के कार्यक्रमों और शाखाओं पर रोक लगाने के लिए एक आदेश को मंजूरी दी थी। इसमें कहा गया था कि सरकारी जगहों पर बिना इजाजत इकट्ठा होना अपराध होगा और इसपर कार्रवाई की जाएगी।

इसके पहले प्रियंक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर कहा था कि राज्य में संघ की गतिविधियों पर रोक लगाने की जरूरत है। बीजेपी ने कहा था कि कांग्रेस यह सब केवल राजनीतिक बदले की भावना की वजह से करना चाहती है। इसके बाद कांग्रेस ने जवाब देकर कहा था कि 2013 में बीजेपी सरकार ने भी इसी तरह का आदेश देकर कहा था कि स्कूल का परिसर और खेल के मैदान का इस्तेमाल केवल शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए होगा।

संपादकीय

कैसे फाड़ेंगे वक्फ कानून?

विपक्ष के मुख्यमंत्री चेहरा तेजस्वी यादव और राजद के कट्टरवादी छुटभैया नेता भी मुस्लिमवादी हैं। वे घोर मोदी-विरोधी हैं और अब भी उन्हें 2002 के गोधरा दंगों का 'खलनायक' करार देते हैं। देश के प्रधानमंत्री के तौर पर मुसलमानों के लिए भी उन्होंने योजनाएं बनाई हों, मुफ्त अनाज बांटा हो, देश के संसाधनों तक उनकी सहज पहुंच तय की हो, लेकिन वे मोदी को 'संहारक' मानते हैं। देश की सर्वोच्च अदालत का भी ऐसा कोई फैसला नहीं है, लेकिन ज्यादातर मुसलमान प्रधानमंत्री से नफरत करते हैं। 'मुस्लिम तुष्टिकरण' बहुत छोटे और अनुपयुक्त शब्द हैं। वक्फ कानून का विरोध ही 'सांप्रदायिक' है। पहले तेजस्वी ने एक सार्वजनिक मंच से वक्फ संशोधन कानून की मुखालफत करते हुए हुंकार भरी थी कि बिहार में 'इंडिया गठबंधन' की सरकार बनी, तो वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। अब राजद के विधान परिषद सदस्य कारी शोएब ने मुस्लिम वोट बैंक को उकसाने के मद्देनजर चुनावी मंच से धमकी-सी दी है कि जिन्होंने वक्फ बिल को समर्थन दिया था, उनका इलाज किया जाएगा। बिहार में तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद वक्फ समेत ऐसे तमाम बिलों को फाड़ कर फेंक दिया जाएगा। यह कैसा अनर्गल अलाप और चुनाव-प्रचार है? संविधान के तहत चुनाव लड़ रहे हैं और हाथों में संविधान की फर्जी प्रति लिए उसके 'रक्षक' होने का दंभ भरते हैं और सार्वजनिक मंचों से 'घोर असंवैधानिक' ऐलान करते हैं! सवाल है कि संसद के दोनों सदनों में पारित और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद अधिसूचित केंद्रीय कानून का एक राज्य सरकार क्या बिगाड़ सकती है? यदि संशोधित कानून का दस्तावेजी कागज फाड़ भी देंगे, तो कानून का क्या बिगड़ेगा? कानून तो यथावत और लागू अवस्था में बरकरार रहेगा। जिस मुस्लिम छुटभैये ने 'इलाज' करने की धमकीनुमा भाषा का इस्तेमाल किया है, तो सवाल है कि कल्पित तेजस्वी सरकार किनका इलाज करेगी?

चिंतन-मनन

सुखी रहना है तो ईश्वर से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है।

आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दुःख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए। ओशो का मत है कि भक्त भगवान की पीड़ा में जितना जलता है, उतना ही भगवान के करीब होने लगता है। एक दिन वह घड़ी आती है जब भक्त भगवान में विलीन हो जाता है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इसी बात का उदाहरण है। वर्तमान समय में लोग साढ़ेसाती का नाम सुनकर कांपने लगते हैं। लेकिन प्राचीन काल में लोग साढ़ेसाती का इंतजार किया करते थे। इसका कारण यह था कि साढ़ेसाती के दौरान प्राप्त तकलीफों से उन्हें ईश्वर को प्राप्त करने में मदद मिलती थी। साधु संत शनि को मोक्ष प्रदायक कहा करते थे। वर्तमान में शनि डर का विषय इसलिए बन गये हैं क्योंकि मनुष्य सुख भोगी हो गया है और उसकी सहनशीलता कम हो गयी है। शास्त्रों में कहा गया है कि व्यक्ति अपने जन्म-जन्मांतर के संचित कर्मों के कारण ही सुख-दुख प्राप्त करता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमेरिका ने फिर भेजे बेड़ी और हथकड़ी में भारतीयों को

सनत जैन

भारत से कौन सी दुश्मनी निकाल रहे हैं ट्रंप... अमेरिका द्वारा एक बार फिर भारतीयों को बेड़ी और हथकड़ियों में जकड़कर भारत डिपोर्ट किया गया है। यह कृत्य मनोवैज्ञानिक संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा दोनों के खिलाफ है। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकारों, भारत और अमेरिका के संबंधों को लेकर भी यह कृत्य बहुत आपत्तिजनक है। सूचनाओं के मुताबिक कई युवा, बेहतर जीवन और रोजगार की उम्मीद लेकर अमेरिका गए थे। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगातार नियम और कानून को बदला जा रहा है, ऐसी स्थिति में ही उन्हें अमेरिका से बाहर निकाला जा रहा है। जिन लोगों को अमेरिका से भारत भेजा गया है, उनके साथ अमेरिका में हिंसक और अपमानजनक व्यवहार किया गय और फिर आतंकवादियों की तरह भारत वापस भेजा गया है। उनके हाथ-पैर जंजीरों में बन्धे हुये थे। इस स्थिति को लेकर युवा और उनके परिवारजन किस तरह से अपमानित और असहज महसूस कर रहे होंगे। इसका आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। यह कार्यवाही साधारण नीतिगत कदम नहीं है। ट्रंप प्रशासन भारत के साथ जानबूझकर इस तरह की कार्यवाही कर रहा है। पहले भी इस तरह की कार्रवाई अमेरिका कर चुका है। भारत सरकार द्वारा विरोध दर्ज कराने के बाद भी यदि यही कार्रवाई बार-बार हो रही है तो यह भारत के लिए बड़ी चिंताजनक स्थिति है। कई वर्षों से चले आ रहे प्रवासन, मानव तस्करी और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की जटिल समस्या एक अलग बात है, लेकिन जो छात्र या अन्य लोग रोजी रोजगार के लिए गए हैं जो किसी अपराध में लिप्त नहीं थे उन्हें यदि इस तरीके से भारत वापस भेजा जाता है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। सबसे पहले, इसे मानवाधिकार के नजरिए से देखा जाना चाहिए। किसी भी नागरिक को, चाहे वह किसी भी देश का क्यों न हो। जब गिरफ्तार या डिपोर्ट किया जा रहा हो, तब उसके साथ इस तरह का व्यवहार, जिसमे भूख-प्यास, कई दिनों तक हिरासत में रखने और उत्पीड़न कर पीड़ित करने जैसे कृत्य अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के विरुद्ध हैं। आब्रजन नियमों के उल्लंघन में बच्चे, बूढे, युवा और महिलाओं को हिरासत में रखकर भोजन-जल तथा बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। वह हिरासत में शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना झेलते हैं। यह कानूनी कार्रवाई नहीं, मानवता पर चोट है। इससे स्पष्ट होता है कि अमेरिका की सरकार जानबूझकर भारत को अपमानित करने के लिए इस तरह से भारतीयों को परेशान कर रही है। भारत सरकार का दायित्व बनता है, वह अपने नागरिकों की गरिमा और सुरक्षा की निगरानी करे। विशेषकर उन लोगों की जो धोखे या एजेंटों के जाल में फँसकर पढ़ाई अथवा रोजगार के कारण अमेरिका जाते हैं। यह स्पष्ट है, आर्थिक विषमता, शिक्षा सीमापार रोजगार की लालसा, प्रवासन इसका मुख्य कारण है। विदेश में जाकर पढ़ाई और रोजगार करने के लिए कई परिवारों ने जमीन-सम्पत्ति बेच दी। युवाओं ने बड़े कर्ज उठाकर विदेश जाने की कोशिश की। भारत और अमेरिका के ठगों द्वारा मानों उन्हें शिक्षा और रोजगार के नाम पर धोखा देकर ठग लिया गया हो। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में अपने कानून में परिवर्तन कर-के जो कल तक वैध था उसे आज अवैध बना दिया है। ऐसी स्थिति में अमेरिका और भारत सरकार के लिए जिम्मेदारी और एक चुनौती है। दोनों देशों के लिए इस स्थिति से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। इस तरह की समस्या को कूटनीतिक संवाद और समझौते के माध्यम से सुलझाया जाना जरूरी होता है। पूर्व में हुई सहमति के बावजूद यदि इस तरह का व्यवहार किया जाता है, तो यह दोनों देशों के बीच स्पष्ट तर्क-वितर्क और पारदर्शिता की कमी अथवा जानबूझकर किया जा रहा कृत्य माना जायगा। पीड़ित परिवारों की सुनवाई और दोषी एजेंटों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना दोनों देशों की जिम्मेदारी है। इस तरह की घटना प्रवासन कानूनी विषय मात्र नहीं है। यह मानवीय, सामाजिक और आर्थिक समस्या से जुड़ा हुआ प्रश्न है। पिछले 8 महीने में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि वह समय-समय पर भारत को अपमानित करने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं। ट्रंप प्रशासन ऐसा क्यों कर रहा है, इस बात की जानकारी भारत सरकार को हो सकती है। भारत सरकार को इस तरह की समस्या के निदान के लिए स्वयं आगे आकर पहल करनी चाहिए थी, लेकिन जिस तरह से भारत सरकार ने चुप्पी साध रखी है उससे सभी को आश्चर्य हो रहा है। इसके पहले भारत और अमेरिका के बीच इस तरह के संबंध नहीं थे। यह भी कहा जाता था कि डोनाल्ड ट्रंप के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत दोस्ती इतनी मधुर है कि वह उनके चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए अमेरिका चले गए थे। पिछले कई महीनो से अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर टैरिफ लगाने से लेकर कारोबार और पाकिस्तान-भारत के संबंधों को लेकर जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं उसका कोई जवाब भारत नहीं दे रहा है। इसको लेकर अब लोगों के मन में अमेरिका के साथ-साथ भारत सरकार के प्रति भी गुस्सा देखने को मिल रहा है। लोग कहने लगे हैं कि 1971 में जब भारत इतना मजबूत नहीं था तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिका को जो जवाब दिया था उसे आज भी पूरी दुनिया नहीं भूली है। 1971 की तुलना में जब हम 100 गुना ज्यादा सशक्त हैं, ऐसी स्थिति में भारत सरकार की चुप्पी यह बता रही है कि डोनाल्ड ट्रंप जानबूझकर भारत को अपमानित कर रहे हैं। इस कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो छवि पिछले 10 सालों में बनी थी उसको भी सबसे बड़ा नुकसान हो रहा है। वही आम जनता के मन में यह भय उत्पन्न हो रहा है कि हम पहले जैसे सुरक्षित नहीं रहे। अमेरिका में जिस तरह से प्रवासी भारतीयों के ऊपर हमले बढ़ रहे हैं, उस पर भी भारत सरकार की चुप्पी से लोग हैरान हैं। भारत सरकार को इस घटना को गंभीरता से लेना होगा नहीं तो अमेरिका आगे चलकर इसी तरीके से भारत को अपमानित करता रहेगा जो भारत के हित में नहीं होगा।

तेजस्वी को पिता का आशीर्वाद, तेज प्रताप को खुद पर भरोसा, कौन बनेगा लालू की विरासत का असली वारिस?

नीरज कुमार दुबे

बिहार की राजनीति एक बार फिर उसी मोड़ पर है, जहां सत्ता की जड़ें वंश, विरासत और विद्रोह के ताने-बाने में उलझी हुई हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के दो बेटे– तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव आज एक-दूसरे से अलग राहों पर खड़े हैं, लेकिन दोनों की राजनीति अब भी एक ही राजनीतिक केंद्र की परिक्रमा करती दिखती है। एक ओर राघोपुर है– जिसे लोग 'मुख्यमंत्रियों की धरती' कहते हैं। यही वह सीट है जिसने पहले लालू प्रसाद और फिर राबड़ी देवी को सत्ता के शिखर तक पहुँचाया। अब वहीं से लालू के छोटे पुत्र तेजस्वी यादव तीसरी बार मैदान में हैं और इस बार वह सिर्फ उम्मीदवार नहीं, बल्कि 'मुख्यमंत्री पद' के दावेदार भी हैं।

दूसरी ओर है महुआ– जहां कभी बड़े भाई तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब वह उसी भूमि पर लौटे हैं, लेकिन इस बार पिता की पार्टी से निष्कासित होकर, एक नई राजनीतिक पहचान के साथ– जनशक्ति जनता दल के मुखिया के रूप में। देखा जाये तो यह चुनाव सिर्फ सीटों का मुकाबला नहीं, बल्कि एक परिवार के भीतर विचारों, अहं और नेतृत्व की टकराहट का भी मंच बन गया है।

राघोपुर की बात करें तो आपको बता दें कि वैशाली जिले का राघोपुर विधानसभा क्षेत्र इस बार बिहार चुनाव का सबसे हाई-प्रोफाइल रणक्षेत्र बन चुका है। यहाँ के 3.4 लाख से अधिक मतदाता जानते हैं कि उनका फैसला राज्य का भविष्य तय कर सकता है। तेजस्वी यादव, महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। उनके अभियान का केंद्र है– 'परिवर्तन की राजनीति।' रैलियों में वह बार-बार कहते हैं, 'यह चुनाव बिहार को दिशा देने का अवसर है, केवल सरकार बदलने का नहीं।' राजद के पारंपरिक यादव वोटों के साथ इस बार वाम दलों और कांग्रेस का भी साथ है। निषाद वोटों में पकड़ रखने वाली वीआईपी पार्टी भी गठबंधन का हिस्सा है। लेकिन इस गठबंधन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहे हैं भाजपा के सतीश कुमार। वही सतीश कुमार जिन्होंने 2010 में राबड़ी देवी को हराकर इस 'वीआईपी सीट' को झटका दिया था।

सतीश कुमार सवाल उठाते हैं– 'दो बार उपमुख्यमंत्री रहे तेजस्वी अपने क्षेत्र के लिए एक कॉलेज या अस्पताल तक नहीं दिला सके। अगर स्थानीय विकास नहीं दिखा, तो राज्य के विकास के वादों पर भरोसा कैसे किया जाए?' तेजस्वी पर भरोसा करने वाला यादव वर्ग भी इस बार आत्ममंथन की स्थिति में है। एक ओर वह 'अपना लड़का' देख रहे हैं, तो दूसरी ओर बीते दो दशकों की सत्ता-विहीनता की कसक भी महसूस कर रहे हैं। दूसरी ओर, राघोपुर से करीब 30 किलोमीटर दूर महुआ में कहानी बिल्कुल अलग लेकिन उतनी ही भावनात्मक है। यही वह सीट है जहाँ 2015 में तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली राजनीतिक जीत दर्ज की थी। अब वह लौटे हैं, लेकिन इस बार बिना राजद के झंडे के। महुआ में एक दिलचस्प कहावत सुनाई देती है– 'घी दाल में ही गिरता है।' मतलब यह कि चाहे तेज प्रताप को वोट दो या राजद को, फायदा अंततः लालू परिवार को ही होगा। यह भावनात्मक रिश्ता अभी भी बिहार के यादव मतदाता के दिल में ज़िंदा है। राजद ने इस सीट पर अपने वफादार मौजूदा विधायक मुकेश रौशन को उम्मीदवार बनाया है। रौशन की सबसे बड़ी चुनौती तेज प्रताप नहीं, बल्कि भावनाएं हैं– जो लालू परिवार की हर शाखा को जोड़ती हैं। तेज प्रताप का कहना है कि 'राजद में लौटने से अच्छा मौत चुनना है।' लेकिन बिहार के लोग जानते हैं कि इस परिवार के राजनीतिक रिश्ते हमेशा 'तलाकशुदा' नहीं होते। वे तकरार के बीच भी साथ जीने की कला जानते हैं। तेज प्रताप के वादे भी हमेशा की तरह रंगीन हैं– 'अगर जीत गया, तो महुआ में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाऊँगा, जहाँ भारत-पाकिस्तान मैच होगा।' पर जमीनी हकीकत कुछ और है– मेडिकल कॉलेज बना, लेकिन दरवाजे बंद हैं; भवन खड़ा है, मगर बिस्तर नहीं। यही कारण है कि महुआ का मतदाता आज 'दिल और दिमाग' के बीच झूल रहा है।

इसके अलावा, बिहार की राजनीति में लालू प्रसाद यादव की विचारधारा आज दो दिशाओं में बंटती दिख रही है। तेजस्वी उस विचारधारा को आधुनिक चेहरे में ढालना चाहते हैं और अपने भाषणों में बेरोजगारी, शिक्षा और शासन की नई भाषा के बारे में बात कर रहे हैं वहीं तेज प्रताप उस विचारधारा को भावनात्मक लोकलुभावन रूप में जिंदा रखना चाहते हैं और अपने भाषणों में धर्म, जाति और गौरव के प्रतीकों का जिक्र कर रहे हैं। राघोपुर से तेजस्वी जहाँ लालू का 'विकल्प' बनने की कोशिश में हैं, वहीं महुआ में तेज प्रताप 'विरासत' के बोझ और आशीर्वाद के बीच झूलते दिख रहे हैं। बहरहाल, अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस चुनावी रणभूमि में लालू प्रसाद का आशीर्वाद ज्यादा असर दिखाता है या लालू प्रसाद का नाम। देखना दिलचस्प होगा कि पिता के समर्थन से राघोपुर में उतरा छोटा बेटा तेजस्वी यादव सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ता है या फिर अपने दम और अदाओं के भरोसे मैदान में उतरा बड़ा बेटा तेज प्रताप यादव कोई चमत्कार कर दिखाता है। बिहार की जनता जानती है– यहाँ राजनीति सिर्फ गणित नहीं, थोड़ा तंत्र और बहुत सारा नाट्यशास्त्र भी है। बाकी, घी दाल में गिरता है या हांडी में, यह तो मतगणना वाले दिन ही पता चलेगा!

अमित शाह का मिशन जय -विजय , नीतीश और महागठबंधन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सपना अगले पाँच दशकों तक पंचायत से लेकर संसद तक भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में देखना है। नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में भाजपा अध्यक्ष के रूप में, शाह ने पार्टी कार्यकताओं से बार-बार इस दीर्घकालिक दृष्टिकोण के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया था। बिहार का उस सपने में एक विशेष स्थान है। शाह 2015 में उनके नेतृत्व में राज्य में भाजपा को मिले उस झटके को नहीं भूले हैं, जब समाजवादी दिग्गज लालू प्रसाद और नीतीश कुमार ने भाजपा की सत्ता की कोशिश को विफल करने के लिए हाथ मिलाया था। उनके करीबी लोगों के अनुसार, बिहार से ज्यादा, कुमार का विश्वासघात–भाजपा को छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन करने का उनका फैसला–शाह को खटक रहा है। नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापस आ गए हैं, लेकिन भाजपा के एकछत्र शासन की उनकी आकांक्षा अभी भी अधूरी है। बिहार में एक और चुनाव होने जा रहा है, शाह अपने सपने को हकीकत में बदलने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। वह न केवल बंद दरवाजों के पीछे रणनीति बना रहे हैं, बल्कि चुनाव प्रचार में भी आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं। जहां मोदी ने शुक्रवार को दो रैलियों के साथ अपने अभियान की शुरूआत की, वहीं शाह ने भी उनकी गति से कदमताल मिलाते हुए उसी दिन दो रैलियां तथा शनिवार को बिना रूके दो रैलियां खगड़िया और मुंगेर में कीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को मुंगेर व खगड़िया की धरती पर पांच वर्ष बाद उनका यह दौरा राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना था। इससे पूर्व 2020 के विधानसभा चुनाव में वे मुंगेर आए थे। इस बार नौवागढ़ी में आयोजित जनसभा के माध्यम से वे न सिर्फ मुंगेर, बल्कि आसपास के जिलों खगड़िया, बांका, लखीसराय और जमुई के एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में वोट की अपील की। इससे पहले खगड़िया में खगड़िया मुख्यालय (संसारपुर मैदान) की सभा रद्द होने से तेजस्वी यादव भड़क उठे।इसे तानाशाही रवैया करार दिया। तेजस्वी ने आरोप लगाया, भाजपा और प्रशासन को जनता की भीड़ से डर लग रहा है। लेकिन जनता अब किसी के दबाव में आने वाली नहीं है। जनता का मूड भांपना कठिन है। मुंगेर में

मंच पर पहुंचने के बाद अमित शाह ने देखा कि दर्शक दीर्घा में कुर्सियां खाली हैं। स्वागत समारोह के दौरान, भीड़ कम होने पर उन्होंने मंच संचालन कर रहीं अंजू भारद्वाज को इशारा किया और प्रदेश अध्यक्ष से संबोधन शुरू करने को कहा। इसी बीच, गृह मंत्री अपनी कुर्सी से उठकर खड़े हो गए और मंच से ही सुरक्षा में लगे पुलिस जवानों को निर्देश दिया कि वे चेकिंग हटा दें और लोगों को बिना जांच के कार्यक्रम स्थल पर आने दें। अमित शाह जंगल राज का हवाला देते रहे है।वहीं दूसरी ओर महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने सत्तारूढ़ एनडीए के साथ चुनावी जंग शुरू कर दी, जिसकी सरकार ने बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान कई मुफ्त योजनाओं की घोषणा की थी।

वहीं महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में घोषित तेजस्वी यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि बिहार में सत्तारूढ़ राजग खत्म होने की राह पर है और महागठबंधन के नेतृत्व वाली राज्य की नई सरकार केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाए गए वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में डाल देगी। यह कहकर मुस्लिम मतदाताओं की ओर जहां पासा फेंका, वहीं उन्होंने सत्ता में आने पर पंचायत प्रतिनिधियों के भत्ते दोगुने करने और उन्हें पेंशन देने का वादा किया। उन्होंने बढ़ई, कुम्हार और नाइयों को 5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त व्यावसायिक ऋण देने का वादा किया।तेजस्वी, ने पहले हर परिवार से कम से कम एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने और संविदा कर्मचारियों को स्थायी रोजगार देने का वादा किया था, ने अपने व्यापक कल्याणकारी एजेंडे के वित्तीय रोडमैप का ब्यौरा देने से परहेज किया।जब उनसे पूछा गया कि नकदी की तंगी की स्थिति में वे धन का प्रबंध कैसे करेंगे, तो उन्होंने कहा, हमने वैज्ञानिक अध्ययन किया है और यह किया जा सकता है। तेजस्वी अपने वादे पूरे करते हैं।

तेजस्वी ने पटना में मीडिया से कहा, महागठबंधन की सरकार बनने पर हम बिहार की त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था और ग्रामकचहरी के प्रतिनिधियों का मानदेय दोगुना कर देंगे।पंचायतों और ग्राम कचहरियों के प्रतिनिधि पेंशन की मांग कर रहे हैं। हमने तय किया है कि उन्हें पेंशन मिलेगी और साथ ही 50 लाख रुपये का बीमा कवरेज भी मिलेगा। तेजस्वी के बड़े-बड़े वादे नीतीश कुमार सरकार की नवीनतम घोषणाओं से आगे निकलने की उनकी उत्सुकता को दर्शाते हैं।विधवाओं और विकलांगों के लिए पेंशन 400 रुपये से बढ़ाकर 1,100 रुपये प्रति माह करने के अलावा, नीतीश ने ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 1 करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 रुपये की नकद राशि हस्तांतरित की है । जून में, राज्य सरकार ने बिहार की 8,053 ग्राम पंचायतों, 533 पंचायत समितियों और 38 जिला परिषदों के प्रतिनिधियों के भत्ते और अन्य लाभ बढ़ा दिए।नीतीश ने जिला परिषद अध्यक्षों का मासिक भत्ता रू. 20,000 से बढ़ाकर रू. 30,000 कर दिया है , उपाध्यक्षों का मासिक भत्ता रू. 10,000 से बढ़ाकर ? 20,000 कर दिया है। मुखियाओं (पंचायत प्रमुखों) का मासिक भत्ता रू. 5,000 से बढ़ाकर रू. 7,500 कर दिया गया है ।तेजस्वी का बढ़ई, कुम्हार और नाई जैसे कारीगरों को 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण देने का वादा, अति पिछड़े वर्गों तक पहुंच बनाने का प्रयास प्रतीत होता है। तेजस्वी ने कहा, बिहार बदलाव के लिए तरस रहा है; लोग वर्तमान सरकार से तंग आ चुके हैं।

राजनीतिक गलियारे में बिहार से ज्यादा, कुमार का विश्वासघात–भाजपा को छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन करने का उनका फैसला–शाह को खटक रहा है। इसलिए गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं, 'मैं यह तय करने वाला नहीं हूं कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे या नहीं। फिलहाल हम उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव के बाद सभी सहयोगी दल बैठकर अपने नेता का चयन करेंगे।' अमित शाह ने यह कहकर अटकलें बढ़ा दीं कि भाजपा का संसदीय बोर्ड इस पर फैसला लेगा। तब से ही नीतीश कुमार के भविष्य को लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा है। यह सवाल भी किया जा रहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने एकनाथ शिंदे के चेहरे पर चुनाव लड़ने की बात कही थी। फिर जीत गए तो मुख्यमंत्री अपना बना लिया।

नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू केंद्र में भी एनडीए के साथ है और सरकार में शामिल है। भाजपा का अपने दम पर बहुमत नहीं है और जेडीयू के 12 सांसद हैं।

बार बिहार में भाजपा और जदयू बराबर सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि 2020 में जदयू को चुनाव लड़ने के लिए ज्यादा सीटें दी गई थीं। हालांकि, तब भी जदयू भाजपा के मुकाबले कम सीटों पर ही जीती थी। कम सीटों पर जीतने के बाद भी बीजेपी ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया। भाजपा मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर आधिकारिक तौर पर स्थिति एकदम साफ नहीं कर रही है तो इसके पीछे की वजहों पर भी चर्चा होने लगी है।

नीतीश कुमार, जिन्हें बहुत लोग राजनीति का 'चाणक्य' कहते हैं, जानते हैं कि मुश्किल समय में भी कैसे खुद को मजबूत और अहम बनाए रखना है। राज्य में शराब बंद करने के फैसले पर कई बार आलोचना हुई, लेकिन उन्होंने कई बार कहा, 'शराब बंदी पर मैं झुकने वाला नहीं हूँ.' यह दिखाता है कि वे अपने फैसलों में बहुत सख्त और अडिग रहते हैं। दूसरी तरफ, वे काफी लचीले भी रहे हैं. 2024 में एनडीए में लौटने के बाद, नीतीश ने वादा किया कि अब वे फिर से पार्टी नहीं बदलेंगे, जबकि पिछले 15 सालों में वे इसे अक्सर करते रहे हैं।

इन टूट-फूट और मेल-मिलाप के बावजूद, नीतीश कुमार फिर से सत्तारूढ़ गठबंधन का मुख्य चेहरा बने हुए हैं। अब भी बने रहेंगे इसका फैसला बिहार के लोगों के हाथ में है. उनका वोट ही इस भ्रम को साफ करेगा, जब 14 नवंबर को चुनाव के नतीजे घोषित होंगे।

पुलिस अधीक्षक ने तिगरी गंगा मेले का निरीक्षण कर दिए दिशा निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- तिगरी मेला-2025 में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन एवं समुचित पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा कोतवाली मेला, विभिन्न घाटों, सेक्टरों, पार्किंग स्थलों एवं मुख्य मार्गों पर की गई बैरिकेडिंग व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया गया। उन्होंने मौके पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन, ड्यूटी प्वाइंट, प्रकाश व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं के आवागमन मार्ग आदि के संबंध में अलग अलग बिन्दुओ पर पुलिसकर्मियो को निर्देशित किया।

पुलिस अधीक्षक ने निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक घाट, सेक्टर एवं पार्किंग स्थल पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहे। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। भीड़ वाले क्षेत्रों में निरंतर पेट्रोलिंग एवं ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाए। गंगा स्नान हेतु आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यातायात का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जाए। खोया-पाया केन्द्रों, प्राथमिक उपचार केन्द्रों एवं नियंत्रण कक्षों को पूर्ण रूप से सक्रिय रखते हुए आमजन को त्वरित सहायता प्रदान की जाए। बोट पर तैनात एसडीआरएफ टीम को लगातार स्नान क्षेत्र में भ्रमण करने एवं श्रद्धालुओं को गहरे पानी में स्नान न करने हेतु लगातार एनाउन्समेन्ट करने हेतु बताया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी में लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मेला जैसे विशाल आयोजन में अनुशासन, तत्परता एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सभी अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की सूचना या समस्या पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे मेला पूर्णतः सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं श्रद्धालुओं के लिए सुगम बना रहे। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया एवं क्षेत्राधिकारी, कोतवाल मेला, सेक्टर प्रभारी, यातायात अधिकारी तथा अन्य पुलिस बल उपस्थित रहे।

तिगरी मेला ड्यूटी चेकिंग के दौरान अनुपस्थित पाए गए 12 पुलिसकर्मियों को पुलिस अधीक्षक ने किया निलम्बित

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा तिगरी मेला-2025 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा के दृष्टिगत मेला क्षेत्र के विभिन्न घाटों, सेक्टरों में शांति व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मियों की ड्यूटी चैकिंग की गयी, इस दौरान उ0नि0 रामनिवास सिंह थाना रजबपुर, उ0नि0 हरवीर सिंह थाना रजबपुर, उ0नि0 रामनिवास नौगावां सादात, उ0नि0 मो0 असलम थाना नौगावा सादत, हे0का 463 प्रवीण कुमार रजबपुर, का0 अवधेश कुमार नौगावां सादात, का0 विपिन कुमार थाना नौगावां सादात, का0 142 निखिल कुमार थाना अमरोहा देहात, का0 1128 शैलेन्द्र कुमार थाना अमरोहा देहात, का0 891 राजन थाना अमरोहा देहात, का0 1001 कपिल देव थाना आदमपुर, का0 726 हमसफर अली थाना आदमपुर अपनी ड्यूटी से गैरहाजिर होने पर पुलिस कर्मियों को पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की गयी है ।

धनौरा के मलेशिया में 132 केवीए की लाईन का अर्थिंग तार टूटा,बड़ा हादसा होने से बचा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव मलेशिया में 132 केवीए की हाई टेंशन लाइन का अर्थिंग तार टूट कर नीचे से गुजर रही 11 केवीए की विद्युत लाइन पर गिर गया जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। बता दें कि जैसे ही 132 केवीए की हाई टेंशन लाइन का अर्थिंग तार टूटकर नीचे से गुजर रही 11 केवीए की विद्युत लाइन पर गिरा तो अचानक तेज धमाके के साथ तारों में फाल्ट हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना वेव पावर प्लांट से अमरोहा बिजली घर जाने वाली 132 केवी हाई टेंशन लाइन पर हुई। मलेशिया गांव में प्लांट से लगभग 800 मीटर दूर एक पोल पर अचानक अर्थिंग तार में खराबी आई और वह टूटकर गिर गया। वहीं इसके बारे में स्थानीय लोगों ने जानकारी देते हुए बताया कि जिस स्थान पर यह हादसा हुआ है वहां से रोजाना सैकड़ो लोग और स्कूल के बच्चे साथ ही स्कूली वाहन गुजरते है, यह रास्ता गांव चौखट, बछरायूं, सैदपुर और भगवानपुर जैसे कई गांवों को मलेशिया से जोड़ता है।

राष्ट्रसेवी संगठन के कार्यकताओं ने किया नगलिया मुंशी गांव में बैठक का आयोजन

कृष्ण कुमार शर्मा ने तिगरी मेले पर धार्मिक अनुष्ठान करने वालों के लिए सुरक्षित स्थान न होने पर की चिंता जाहिर

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रसेवी संगठन के कार्यकताओं की एक बैठक हसनपुर क्षेत्र के ग्राम नगलिया मुंशी में पूर्व प्रधान होशियार सिंह के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने गंगा मेला तिगरी पर धार्मिक अनुष्ठान करने वालों के लिए सुरक्षित स्थान न होने पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि तिगरी में लगने वाले गंगा मेले पर पहले वीआईपी रोड पर सैक्टर नंबर 1 से 6 तक 10 दिन के कल्पवास के लिए श्रद्धालु 10 से 12 दिन पहले सपरिवार आया करते थे और 10 से 12 दिन वे लोग भजन - पूजन भंडारा इत्यादि किया करते थे। जो कि इस तिगरी गंगा मेला का उद्देश्य एवं शोभा में चार चांद लगाने का कार्य किया करते थे परंतु जब से यह गंगा मेला प्रदेश स्तर पर रजिस्टर्ड हुआ है। तब से यहां वीआईपी कल्चर बढ़ने से जो स्थान

सेक्टर नंबर 1 से 6 तक कल्पवासियों धार्मिक क्रिया कलापों के लिए लगभग आरक्षित सा हुआ करता था वह अब जनप्रतिनिधियों के लिए रजिस्टर्ड जैसा हो चुका है।जिसमें जनप्रतिनिधि एवं उनसे मिलने वाले लोग मात्र 1 या 2 दिन के लिए ही आते हैं बाकी समय वह स्थान जुआरियो शराबियों और चोरों और असामाजिक तत्वों का अड्डा ही बना रहता है। दूसरी ओर श्रद्धालुओं को और कल्पवासियों को उपयुक्त और सुरक्षित स्थान न मिलने के कारण दर-दर भटकना पड़ता है या अपने टेंट इत्यादि सड़क के किनारे अव्यवस्थित डालकर रहना पड़ता है जिस कारण अब लगभग 50% कल्पवासियों ने तो तिगरी मेले में आना ही बंद कर दिया है। अगर समय रहते यह वीआईपी कल्चर कम नहीं किया गया तो वह दिन दूर नहीं कि यहां कल्पवासी आना ही बंद कर देंगे और यह मेला धार्मिक दृष्टि से महत्व पूर्ण न रहकर सिर्फ और सिर्फ दिखावे और मनोरंजन का केंद्र ही रह जाएगा। जिसका जिम्मेवार कहीं न कहीं प्रशासन ही है। उन्होंने गंगा स्नान हेतु जाने वाले श्रद्धालुओं से अनुरोध किया कि धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण गंगा तट पर किसी भी प्रकार का नशा करना, गंदगी फैलाना, पॉलीथिन का प्रयोग करना, एक दूसरे श्रद्धालु के प्रति प्रेम एवं सम्मान पूर्ण व्यवहार न करना, गहरे जल में या प्रतिबंधित स्थानों पर स्नान करना गलत होगा। इससे बचना होगा। उन्होंने जनपद अमरोहा में आयोजित होने वाले सभी गंगा मेले के घाटों पर जल की गहराई अधिक होने से अप्रिय घटनाओं की आशंका के चलते जिला प्रशासन से पर्याप्त व्यवस्था किए जाने की मांग की जिससे कोई अप्रिय घटना घटित न हो सके। सड़कों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था कराकर श्रद्धालुओं के आवागमन में होने वाली दिक्कतों एवं अप्रिय घटनाओं को रोका जा सके।

इस अवसर पर कविंद्र सिंह चौहान, करन सिंह, रूपचंद चौहान, खड्ग सिंह, रघुवीर सिंह, महिपाल सिंह आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

ब्लॉक प्रमुख स्वर्गीय जयपाल सिंह की 32 वीं पुण्यतिथि मनाई गई

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रहरा ब्लॉक परिसर में ब्लॉक प्रमुख बाबू जयपाल सिंह गुर्जर की 32 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान ब्लाक प्रमुख स्वर्गीय जयपाल सिंह गुर्जर के द्वारा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों का बखान किया गया। ज्ञात रहे कि जनपद के ब्लाक गंगेश्वरी के ब्लॉक प्रमुख के पद पर जयपाल सिंह लगातार 25 वर्षों तक ब्लॉक प्रमुख रहे थे। पद पर आसीन रहते हुए उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया जाता है कि इस दौरान जब हत्यारो ने ब्लॉक प्रमुख जयपाल सिंह को गोली मारी थी तो उस समय के विधायक भगवान दास के पुत्र को भी गोली लगी थी जिसमें उसकी भी मृत्यु हो गई थी। उस समय पर दोनों हत्याओं को होने से क्षेत्र में तनातनी का माहौल बन गया था। अब उस घटना को 32 वर्ष बीत चुके हैं। 32 वीं पुण्यतिथि पर ब्लाक गंगेश्वरी के परिसर में उनकी 32 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन पिंटू भाटी ने किया। इस दौरान पिंटू भाटी ने कहा कि हमारे बाबूजी जयपाल सिंह बहुत ही नेक दिल इंसान थे वह गरीबों की मदद करते थे और अपने क्षेत्र के विकास के लिए उन्होंने रात दिन एक कर सरकार द्वारा अलग-अलग संचालित योजनाओं से क्षेत्र को चमकाने का कार्य किया था। उस समय हमारे क्षेत्र में विकास नामक शब्द नहीं था लेकिन जैसे ही ब्लॉक प्रमुख पद की कमान हमारे बाबूजी ने संभाली वैसे ही क्षेत्र ने विकास की एक नई गाथा लिखी। आज हमें उनके पद चिन्हों पर चलने की जरूरत है। आगे पिंटू भाटी ने कहा कि हमारे बाबूजी आज हमारे बीच नहीं है लेकिन हम हमेशा हमारे बाबूजी को याद करते रहेंगे। इस दौरान कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी, सांसद कंवर सिंह तंवर, सरधना विधायक अतुल प्रधान, अशोक नागर, देवराज नागर, दिग्विजय भाटी, शिवराम गुर्जर, सोनू नागर, सुरेंद्र सिंह लोहिया, रिंकू गुर्जर, पिंटू भाटी, अनुज शर्मा, अरुण शर्मा, मास्टर जयपाल सिंह, लोकेश प्रधान, प्रमोद नागर, गजेंद्र नागर, जितेंद्र बिधूडी, मोनू नागर, श्रीप्रकाश धामा, मनोज शर्मा, रामपाल सिंह खड्गवंशी, रामपाल सिंह गुर्जर, चंद्रपाल खड़गवंशी, मुदित गुर्जर भाजपा नेता आदि लोग उपस्थित रहे।

आरडीएच फाउंडेशन कर रहा गरीब परिवारों की मदद

हर दिन गांव गांव जाकर गरीब परिवारों में जरूरत के अनुसार सामान वितरित

एक हजार सदस्य पूर्ण करने पर भोपाल को दिया गया मोबाइल

हापुड (सब का सपना):- आरडीएच फाउंडेशन परिवार के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहरी क्षेत्र तक गरीबी मिटाने का निर्णय लिया गया है। आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा हर दिन गरीब परिवारों के लिए आवश्यकता अनुसार सामान वितरित किया जाता है। जिसमें वाशिंग मशीन, फ्रिज, कूलर, एसी, सिलाई मशीन, घर का राशन, शिक्षा सामग्री, कपड़े, नगद राशि भी आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा गरीब परिवारों में दी जाती है। इतना ही नहीं आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा गरीब परिवारों को मकान बनाने के लिए भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा हर दिन गरीबी मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में आरडीएच फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा एनजीओ परिवार के मेंबर भोपाल को एक हजार सदस्य पूर्ण करने पर मोबाइल देकर उन्हें आर्थिक सहयोग दिया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय

अध्यक्ष अमित सिंह उपराष्ट्रपति अध्यक्ष रोहित राजपूत राष्ट्रीय सलाहकार रतन सिंह, राष्ट्रीय सचिव मोहित चौहान,राष्ट्रीय निर्देशक बरन सिंह, राष्ट्रीय निर्देशक मांगे सिंह, राष्ट्रीय निर्देशक अशोक सिंह ,राष्ट्रीय निर्देशक कैलाश , दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, दिल्ली सलाहकार कुलदीप सिंह , दिल्ली महिला प्रदेश अध्यक्ष जौली चौहान, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राकेश चौहान उप उतर प्रदेश अध्यक्ष मोनू चौहान पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रोहित सिंह, पश्चिम उप उत्तर प्रदेश अध्यक्ष हीर प्रकाश गुप्ता मेरठ महिला अध्यक्ष अनीता केवट, मेरठ जिला अध्यक्ष सविता प्रजापति, हापुड़ जिला अध्यक्ष सतपाल सिंह, उत्तर प्रदेश महिला अध्यक्ष रीना राजपूत अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष राजपाल सिंह उप अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष मनीष राजपूत ग्राम अध्यक्ष छोटी अंजली राजपूत ग्राम अध्यक्ष अंजली राजपूत ग्राम अध्यक्ष सायपुर सरिता देवी, हापुड़ महिला अध्यक्ष बिजेंद्री देवी बागपत जिला अध्यक्ष सुंदरी शर्मा, गजरौला अध्यक्ष विकास चौहान, हसनपुर अध्यक्ष नरेश सिंह, समलल अध्यक्ष दिनेश सिंह,उप हापुड़ जिला अध्यक्ष हरि शरण प्रजापति, मध्य प्रदेश अध्यक्ष निशु चौहान, गोरखपुर मंडल अध्यक्ष बृजलाल कीर्ति माला , उप मध्य प्रदेश मुकेश वर्मा, गाजियाबाद जिला अध्यक्ष प्रेम चंद सिंह, बुलन्दशहर महिला जिला अध्यक्ष हेमलता,उप बुलन्दशहर महिला अध्यक्ष अध्यक्ष पूनम चौहान, बागपत उपजिला अध्यक्ष रिंकी शर्मा, बागपत जिला अध्यक्ष राजीव शर्मा, ब्रजघाट अध्यक्ष नरेश कुमार, ग्राम सिलपुर अध्यक्ष प्रीती चौहान, तालिश अध्यक्ष अमित चौहान, लोनी ताशील अध्यक्ष अनिल कुमार, बाबूगढ़ महिला अध्यक्ष गुड़िया सिंह, बाबूगढ़ अध्यक्ष हरीश कुमार , मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष जाकिर खान, मुरादाबाद जिला अध्यक्ष संदीप चौहान अमरोहा जिला अध्यक्ष आकाश चौहान रामपुर जिला अध्यक्ष आलोक चौहान महाराष्ट्र महिला अध्यक्ष पूजा चौहान गुलाबटी अध्यक्ष फरीन, गीता सैनी मौजूद रहे।

महिलाओं-बालिकाओं को बनाया सशक्त, थानों व बाजारों में चौपाल व जागरूकता अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत जनपद सम्भल में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व स्वावलंबन को मजबूत करने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जिले के सभी थानों पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चौपाल आयोजित कर महिलाओं की समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित किया और बालिकाओं को जागरूक किया। इस अभियान के जरिए महिलाओं व बालिकाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षित व सशक्त वातावरण प्रदान करने का प्रयास किया गया। थाना स्तर पर आयोजित चौपालों में महिला संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई और त्वरित समाधान के लिए कदम उठाए गए। साथ ही, प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों व अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर महिला पुलिसकर्मियों ने शासन व पुलिस विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। योजनाओं की दी जानकारी, पंपलेट बांटेः अभियान में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम सम्मान निधि योजना, वन स्टॉप सेंटर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केंद्र योजना और मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। पुलिस विभाग की हेल्पलाइन सेवाओं पर भी जोर दिया गया, जिसमें वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112 (इमरजेंसी कॉल/पैनिक बटन मोबाइल डेमो), सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। इनके पंपलेट बांटकर आमजन को जागरूक किया गया। एसपी कृष्ण कुमार ने कहा, "मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं को न केवल सुरक्षित बल्कि आत्मनिर्भर बनाना है। महिला पुलिसकर्मियों की सक्रियता से यह अभियान जन-जन तक पहुंच रहा है।" अपर एसपी अनुकृति शर्मा ने जोड़ा, "चौपालों के माध्यम से समस्याओं का मौके पर निस्तारण और योजनाओं की जानकारी से महिलाएं सशक्त होंगी।" यह अभियान जिले में महिलाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो रहा है।

डिडौली क्षेत्र में भाकियू (शंकर) ने धरना प्रदर्शन कर किया जन जागरण का आयोजन

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र के गांव पूरनपुर में क्षेत्रपाल की बैठक पर भारतीय किसान यूनियन शंकर के जन जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मौजूद किसानों ने धरना प्रदर्शन करते हुए अपने मुख्य मांगों को रखते हुए तिगरी गंगा धाम में लगने वाले ऐतिहासिक मेले में अव्यवस्थाएं हावी होने के संबंध में चर्चा की। बता दें कि मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के बैनर तले दोपहर से शुरू हुआ धरना-प्रदर्शन पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फूल सिंह पाल ने की, जबकि संचालन की कमान प्रदेश प्रवक्ता सत्यवीर सिंह गुर्जर ने संभाली। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष

चौधरी दिवाकर सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की हरियाणा सरकार ने विगत वर्ष में और अब भी 415 रुपए गन्ना मूल्य की घोषणा कर दी है ,परंतु उत्तर प्रदेश सरकार ने आज तक गन्ना मूल्य में कोई बढ़ोतरी नहीं की थी और इस बार भी घोषणा नहीं की है जिससे प्रदेश के गन्ना किसानों में भारी रोष है विभागों में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है।चकबंदी अधिकारी किसानों का खून चूस रहे हैं, किसानो के न चाहते हुए भी जबरदस्ती चकबंदी करने को आमादा है। केसीसी बनवाने के लिए भूलेख पोर्टल डिजिटल होने के बाद भी किसान तहसीलों के चक्कर काटने को मजबूर है। जनपद सृजन के 28 वर्ष बीतने के बाद भी अमरोहा विकास प्राधिकरण जिला सहकारी बैंक बोर्ड, जेल निर्माण ,गजरौला में ट्रामा सेंटर, गंगा तिगरी धाम पर विद्युत शवदाह गृह,व तिगरी धाम से ब्रजघाट तक रिवर फ्रंट बनाते हुए पर्यटक स्थल नहीं बनाया गया है। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि विद्युत विभाग के घरेलू मीटर रीडर गांव न जाकर घर बैठे रीडिंग कर रहे हैं जिससे किसानों के घरेलू बिल अनाप-शनाप आ रहे हैं। इन सभी समस्याओं के संबंध में 7 नवंबर दिन शुक्रवार को दोपहर 11:00 बजे से कलेक्ट्रेट पर भूख हड़ताल कर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। जिसकी जिम्मेवारी पूर्ण रूप से शासन व प्रशासन की होगी। जन जागरण कार्यक्रम में चौधरी धर्मवीर सिंह, विक्रम पवार, चौधरी नेमपाल सिंह, मोनू चौधरी ,सत्येंद्र सिंह, रामौवतार सिंह, जविंदर सिंह, जितेंद्र कुमार, प्रधान प्रमोद देवल, बंटी, महीपाल, मौजीरामपाल ,डॉक्टर प्रेमपाल, नन्नू सिंह ,कविंद्र सिंह ,सतवीर सिंह, जयवीर सिंह, बाबू सिंह ,बलजीत सिंह, सुभाष आर्य, नन्हे ,सुरेश सिंह, मदन सिंह, हरि सिंह प्रधान, जगवीर सिंह ,कृष्ण कुमार ,इकरार अली, सलीम आफताब ,बबीता, निवेश, राजपाल सिंह ,भूकन सिंह ,ऋषिपाल सिंह ,श्याम सिंह ,आदि बडी संख्या में किसान मौजूद रहे।

रबी के बीज पर किसानों को मिलेगी सब्सिडी

पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जा रहा बीज,आधार कार्ड जरूरी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- किसानों के लिए खुशखबरी,मंडी धनौरा तहसील कृषि विभाग में किसानों को रबी की फसलों के उन्नत बीज पर 50% सब्सिडी मिलेगी जिसमें "पहले आओ पहले पाओ" के आधार पर बीज दिए जा रहे हैं। इस योजना के तहत गेहूं ,चना और मसूर के बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा नई व्यवस्था के अनुसार किसानों को सब्सिडी का लाभ लेने के लिए अपना आधार कार्ड लाना जरूरी है और पोष मशीन पर अपना अंगूठा भी लगाना जरूरी है। पहले किसानों को बीच की पूरी कीमत चुकानी पढ़ती थी लेकिन अब सीधे सब्सिडी का लाभ किसान को मिल रहा है। कृषि विभाग में गेहूं के बीज का 20 किलो का कट्टा जिसका वास्तविक मूल्य ड्40 प्रति किलो है

वह ड्20 प्रति किलो के अनुदान के बाद किसानों को ड्26 प्रति किलो की दर से मिल रहा है। रबी की बुवाई के मौसम में किसान गेहूं ,चना, सरसों, मटर और मसूर जैसी फैसले उगाते हैं। कृषि अधिकारी चंद्रशेखर ने बताया कि किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में बीज शासन द्वारा प्राप्त हो गया है, उन्होंने स्टोर

इंचार्ज भरत सिंह को पोस्ट मशीन पर अंगूठा लगाकर किसानों को हाथों-हाथ सब्सिडी का लाभ देने का निर्देश दिया है बीज लेने के लिए बड़ी संख्या में किसान कृषि विभाग पहुंच रहे हैं।

वन ट्रिलियन डॉलर योजना की द्वितीय त्रैमासिक प्रगति समीक्षा बैठक संपन्न

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पेंसिया की अध्यक्षता में जिला सभागार में वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था लक्ष्य से जुड़ी जुलाई-सितंबर 2025 त्रैमासिक प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार ने त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने अनाज, दलहन, मक्का, बाजरा उत्पादन एवं उत्पादकता, उद्यानिकी फसलों के जीडीपी योगदान, उद्यमिता विकास, निर्माण क्षेत्र, जीएसटी संग्रह, पर्यटन पंजीकरण, परिवहन परमिट एवं वाणिज्यिक वाहन रजिस्ट्रेशन की विस्तृत समीक्षा की। जिला उद्यान अधिकारी को अगली बैठक में औद्यानिक फसलों के जीडीपी योगदान बढ़ाने की कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश। जीएमडीआईसी को उद्योगों हेतु भूमि अधिग्रहण की चुनौतियों पर प्रस्तुतीकरण तैयार करने का आदेश। जीएसटी विभाग को छोटे होटलों का सर्वे कर सराय एक्ट के तहत पंजीकरण सुनिश्चित करने एवं प्रोफार्मा में आंकड़े प्रस्तुत करने के निर्देश। परिवहन विभाग को निजी बस परमिट संख्या बढ़ाने एवं वाणिज्यिक वाहनों का अधिकतम रजिस्ट्रेशन करने का आदेश। जिलाधिकारी ने हॉर्न एंड बोन उद्योग एवं प्लेज पार्क विकास पर विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा, ह्लप्रधानमंत्री के नेतृत्व में निवेश मित्र, आत्मनिर्भर भारत, आध्यात्मिक भारत एवं आधुनिक भारत का निर्माण करना है। संभल को औद्योगिक हब बनाने हेतु हरसंभव प्रयास किए जाएं।ह्व बैठक में एआरटीओ अमिताभ चतुर्वेदी सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मलेरिया नियंत्रण में सक्रियता, बाखेपुर गांव में सोर्स रिडक्शन अभियान सफल

सम्भल(सब का सपना):- मुख्य चिकित्सा अधिकारी सम्भल के 27 अक्टूबर के निदेशों के अनुपालन में मलेरिया विभाग ने ब्लाक बनियाखेड़ा के ग्राम बाखेपुर में मलेरिया रोगी के घर और आसपास सोर्स रिडक्शन की प्रभावी कार्यवाही की। इस दौरान नालियों में लावीसाईडल स्प्रे और घरों में स्पेस स्प्रे का कार्य कराया गया, जिससे मच्छरों के प्रजनन स्थलों को कम करने में सफलता मिली। क्षेत्र में किए गए कार्यों का विवरण इस प्रकार है ग्राम में कुल जाँचे गए घरों की संख्या 56 लार्वा धनात्मक पाए गए घरों की संख्या 01घरों के अंदर जाँचे गए कुल कंटेनरों की संख्या 88 लार्वा धनात्मक पाए गए कंटेनरों की संख्या 01 खाली कराए गए कंटेनरों की संख्या (जिनमें जल भरा हुआ पाया गया) 05 नोटिस जारी किए गए घरों की संख्या (जहाँ लार्वा पाया गया) 01 स्पेस स्प्रे किए गए घरों की संख्या 55 छिड़के गए कमरों की संख्या 106 सोर्स रिडक्शन क्यों जरूरी जन जागरूकता पर जोर मलेरिया विभाग ने जनमानस को सोर्स रिडक्शन की आवश्यकता बताते हुए कहा कि यह गतिविधि मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों के प्रजनन स्थलों को कम करती है, जिससे मच्छरों की संख्या और मलेरिया का खतरा दोनों घटते हैं। यह मलेरिया नियंत्रण की प्रमुख रणनीति का हिस्सा है। मुख्य स्त्रोत कमी गतिविधियां मच्छर प्रजनन स्थलों को खत्म करना स्थिर पानी वाले कंटेनर, टायर, बाल्टी आदि को साफ या ढककर रखें। दलदली इलाकों को सुखाकर या भरकर पानी जमाव रोकें। मच्छर लार्वा का नियंत्रण पानी में मौजूद लार्वा को कीटनाशकों से नष्ट करें। मच्छरों को दूर रखना मच्छरदानी का उपयोग और घरों में कीटनाशक छिड़काव। समुदाय की भागीदारी जागरूकता अभियान और सहयोग से नियंत्रण मजबूत करें। मच्छरों की संख्या में कमी से मलेरिया संक्रमण का खतरा घटता है और मामलों में उल्लेखनीय गिरावट आती है। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे स्वयं अपने घरों और आसपास पानी जमाव न होने दें तथा मच्छरदानी का नियमित उपयोग करें। इस अभियान से क्षेत्र में मलेरिया नियंत्रण को मजबूती मिली है।

महाकुंभ की तर्ज पर हो जंबूरी में सुरक्षा और सुविधा

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत स्काउट एंड गाइड के 19वें राष्ट्रीय सम्मेलन (जंबूरी) की तैयारियों की समीक्षा की। 23 से 29 नवंबर तक लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, वृंदावन योजना में इसका आयोजन होगा। यह अवसर युवा शक्ति के अनुशासन, राष्ट्र सेवा और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त रूप में प्रस्तुत करेगा। सीएम ने निर्देश दिया कि यह आयोजन प्रदेश की सुरक्षा और आतिथ्य क्षमता का परिचायक बने। उन्होंने निर्देश दिए कि महाकुंभ की तर्ज पर सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, स्वास्थ्य, आवास, खानपान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सभी व्यवस्थाएं पूरे समन्वय के साथ करें। इस आयोजन की थीम आत्मनिर्भर स्वदेशी भारत, स्वच्छ एवं विकसित भारत, ग्रीन एवं सस्टेनेबल भारत हर स्तर पर दिखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवसर पर प्रदेश को अपनी परंपराओं, संस्कृति और नवाचारों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि एक्सपो मैदान में प्रदर्शनी स्टॉल में राज्यवार प्रदर्शनियों के साथ ग्लोबल विलेज, 75 वर्ष की स्काउटिंग प्रदर्शनी, एयर अग्निवीर, एक जिला-एक उत्पाद, सोलर, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और आर्मी प्रदर्शनियां भी लगाई जाएं। यह आयोजन युवाओं में नेतृत्व कौशल विकसित करने का अवसर बनेगा। इस उद्देश्य से आईटी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब की स्थापना की जा रही है। जहां डिजिटल लर्निंग, लीडरशिप और इनोवेशन से जुड़े कार्यक्रम होंगे। यह पहल डिजिटल इंडिया और स्मार्ट स्काउटिंग की दिशा में नया अध्याय सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जंबूरी पूरी तरह ग्रीन और सस्टेनेबल हो। बैठक में बताया गया कि जंबूरी में दो दिन ड्रोन शो भी होगा। अधिकारियों ने बताया कि आयोजन में विभिन्न राज्यों से 28 से 29 हजार स्काउट एवं गाइड, विदेशों से करीब दो हजार प्रतिभागी। 5000 स्वयंसेवक व स्टाफ सदस्य शामिल होंगे। 300 एकड़ क्षेत्रफल के आयोजन स्थल में 3500 टेंट, 2200 शौचालय, 1700 बाथरूम, 100 रसोई और 4 सेंट्रल किचन की व्यवस्था की जा रही है। यहां 100 बेड का अस्पताल, 16 डिस्पेंसरी, पुलिस स्टेशन, पुलिस पोस्ट, नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं।

पुलिस स्मृति दिवस सप्ताह में स्कूली बच्चों को यातायात नियम, शस्त्र और मिशन शक्ति की दी जानकारी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार के निर्देशन में पुलिस स्मृति दिवस सप्ताह के तहत पुलिस लाइन बहजोई के सभागार में एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। क्षेत्राधिकारी संभल आलोक कुमार और क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों ने अपनी प्रदर्शनियां लगाईं। प्रदर्शनी में रेडियो विभाग, यातायात विभाग, आर्मरी और जनपद संभल की मिशन शक्ति टीम ने भाग लिया। हीरा देवी तोताराम इंटर कॉलेज, वार्ष्णेय इंटर कॉलेज सहित अन्य स्कूलों के बच्चों को यातायात के नियमों, संकेतों, यातायात उपकरणों, पुलिस विभाग में उपयोग होने वाले विभिन्न शस्त्रों और रेडियो विभाग के उपकरणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अलावा, मिशन शक्ति टीम ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे अभियान की जानकारी साझा की। स्कूली छात्राओं और बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों तथा सरकार की योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। यह आयोजन पुलिस और समाज के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा युवा पीढ़ी को जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

जिला मजिस्ट्रेट ने अपराधी किस्म के पांच व्यक्तियों को दिखाया जिले के बाहर का रास्ता

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिला मजिस्ट्रेट घनश्याम मीणा ने जिले को अपराध मुक्त और भयमुक्त बनाने के मद्देनजर अपराधी किस्म के पांच व्यक्तियों पर शिकंजा कसते हुये उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत थाना मझगवां के गड़हर गाँव निवासी शिवनारायण पुत्र श्री धन सिंह, जबकि थाना जरिया के तुरना गाँव निवासी शिवपाल राजपूत पुत्र सुखनन्दन उर्फ लूला, वही राठ के बहगांव निवासी सचिन पुत्र राम मिलन राजपूत, जबकि राठ कस्बे के सिकन्दरापुरा निवासी रामप्रकाश उर्फ पप्पू झिन्ना पुत्र दुलीचन्द्र, वही चिकासी के अमरपुरा निवासी सचिन पुत्र छत्रपाल लोधी के खिलाफ कार्यवाही करते हुये जिले के बाहर का रास्ता दिखाया गया है। जिला मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में ये भी कहा है कि निष्कासन के दौरान पांचों वयक्ति हमीरपुर की सीमा में बिल्कुल भी नजर न आयें। साथ ही जिले के बाहर वो जहां भी रहेंगे। वहां का पता जिला मजिस्ट्रेट की अदालत के साथ ही वहां के लोकल थाने को देंगे, साथ ही निवास के दौरान किसी तरह का हथियार लेकर नहीं चलेंगे। आदेश का पालन करने के लिये पांचों अपराधियों को एक-एक लाख रुपये के दो गारंटर के साथ ही एक-एक लाख रुपये का निजी बांड भी दाखिल करना होगा।

कुड़वा में ग्रामीणों ने फिर किया प्रदर्शन

नाबालिक बच्चों से कार्य कराने का आरोप, सफाईकर्मी मूकदर्शक

संवाददाता

कोन / सोनभद्र। विकास खण्ड कोन अंतर्गत ग्राम पंचायत कुड़वा में सफाई को लेकर ग्रामीणों ने बीते दिनों किया था प्रदर्शन जो खबर कई सामाचार पत्रों की सुर्खियां बनी थी। खबर को संज्ञान में लेते हुए खण्ड विकास अधिकारी डॉक्टर जितेंद्र नाथ द्विवेदी ने तत्काल सफाई कराने का आदेश संबंधित को दिया था जिसकी लोगों ने भूरि भूरि प्रशंसा की। जिसके क्रम में रविवार को सफाई कर्मी ओम प्रकाश कनौजिया कचरा वाहन लेकर मौके पर पहुंचा जहाँ देखा गया कि नाबालिक बच्चे कचरा उठा रहे हैं और सफाई कर्मी मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रहा है जो फोटो में साफ तौर पर देखा जा सकता है जबकि बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम 2005 के तहत नाबालिक बच्चों से कार्य कराना पूर्णता वर्जित है। जो कि जिम्मेदारों द्वारा बाल अधिकार अधिनियम को ठेंगा दिखाते हुए नाबालिक बच्चों से कार्य कराया गया।सबसे बड़ा सवाल है कि सफाईकर्मियों को सफाई करने में परहेज क्यों? जबकि उनकी नियुक्ति सफाई करने के लिए किया गया। जिसके क्रम में ग्रामीण श्रवण यादव, जग्गू, विजय, सोमारु, राधेश्याम आदि ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि आखिर किसके आदेश पर सफाईकर्मी ओम प्रकाश द्वारा नाबालिक बच्चों से कार्य कराया गया है और कचरा पांडु नदी में फेका गया जहाँ लोग प्रतिवर्ष सैकड़ों की संख्या में छठ पूजा करते हैं। जबकि लाखों की लागत से कचरा संग्रह भवन बनाया गया है जो कचरा के अभाव में धूल फांक रहा है। बतादें कि सबसे महत्व पूर्ण हिंदुओ का प्रमुख त्यौहार छठ पूजा है और वहाँ लोग सैकड़ों की संख्या में व्रतधारी पूजा करते हैं जिसे सफाई कर्मी व जिम्मेदारों द्वारा पानी दूषित व घोर अपमान किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि नाबालिक बच्चे क्रमशः गोपाल पुत्र गुन्जु उर्फ लालमणि चेरो, लवकुश पुत्र रामसेवक चेरो, राकेश पुत्र विजय शंकर चेरो उम्र लगभग सभी 8 से 10 वर्ष ग्राम पंचायत कुड़वा टोला - तुमियां, विकास खण्ड ० थाना - कोन के निवासी हैं जिसमे स्कूली बच्चे भी सम्मिलित हैं जिन्हें 100 रुपये का लालच देकर देर शाम तक कार्य कराया गया जो घोर अपराध है। अब देखना दिलचस्प होगा कि संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा कौन सी कार्यवाही की जाती है या सरकारी फाई लों में दबकर रह जायेगा। जिसके क्रम में मंगलवार तड़के समाजसेवी गंगा प्रसाद यादव के अगुवाई में दोषी सफाईकर्मी व संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तुमियाँ चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में मुख्य रूप से रामेश्वर चेरो, सोमारु चेरो, राधेश्याम सहित रीना देवी , कमला देवी शामिल रहे। इस बावत एडीओ (पंचायत) सुनील पाल ने कार्रवाई का अश्वासन दिया है।

भारी बारिश के बावजूद रेणुका छठ घाट पर दिखा आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा

संवाददाता

ओबरा। भारी बारिश के बावजूद ओबरा के रेणुका छठ घाट पर आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। जलधारा और तेज बारिश के बीच भी व्रतियों ने पूरे श्रद्धा भाव से सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में पूजा-अर्चना कर परिवार और समाज की मंगलकामना की। नगर पंचायत ओबरा द्वारा घाट पर सफाई, प्रकाश और सुरक्षा व्यवस्था का समुचित प्रबंध किया गया था, वहीं ओबरा पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी से पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। भारी वर्षा के बीच श्रद्धालुओं की अटूट श्रद्धा और अनुशासन देखकर उपस्थित लोगों ने कहा कि यह दृश्य वास्तव में छठ महापर्व की दिव्यता और भक्ति की सच्ची झलक पेश करता है।

अब्दुल्ला आजम को पासपोर्ट कोर्ट में जमा करने का आदेश

रामपुर। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम को अपना पासपोर्ट कोर्ट में जमा करना होगा। कोर्ट ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किया है। मामला दो पासपोर्ट से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष ने अदालत में प्रार्थना पत्र देकर कहा था कि अब्दुल्ला आजम का एक पासपोर्ट इम्पाउंड है, जिसे कोर्ट में प्रस्तुत किया जाए। इस पर अब्दुल्ला की ओर से अधिवक्ता ने बार-बार आपत्ति दाखिल करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने उनकी आपत्ति का अवसर समाप्त करते हुए पासपोर्ट तलब करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 नवंबर की तारीख तय की गई है।

ओबरा नगर में निकाली गई निशान यात्रा बाबा श्याम के जयकारे से भक्तिमय हुआ माहौल

संवाददाता

ओबरा नगर। आयोजित होने वाले चतुर्थ श्याम महोत्सव से पूर्व आज मंगलवार को नगर में श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण वातावरण में निशान यात्रा निकाली गई। यह यात्रा कैरियर बैरियर स्थित जय नारायण इंटरप्राइजेज से प्रारंभ होकर सुदामा पाठक हनुमान मंदिर चौराहा होते हुए राम मंदिर प्रांगण तक पहुँची। पूरे मार्ग पर भक्तों ने बाबा श्याम के जयकारों के साथ यात्रा को भक्ति माहौल में परिवर्तित कर दिया। इस अवसर पर सौरभ अग्रवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भाग लिया। सभी श्रद्धालु हाथों में केसरिया, नीले और गुलाबी निशान लेकर ह्यश्याम तेरी जय होह्न के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। निशान यात्रा का धार्मिक महत्व खाटूधाम की परंपरा से जुड़ा है। मान्यता है कि खाटू श्याम बाबा को अर्पित यह निशान भक्त और भगवान के बीच आस्था, समर्पण और विश्वास का प्रतीक होता है। खाटू जाने वाले सभी श्याम प्रेमियों के लिए यह यात्रा आध्यात्मिक रूप से अत्यंत पवित्र मानी जाती है। यात्रा के दौरान नगर का वातावरण भक्ति संगीत और भजनों से गुंजायमान रहा। मार्ग में उपस्थित श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा और शीतल जल की व्यवस्था कर यात्रियों का स्वागत किया। यात्रा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन मुस्तैदी से तैनात रहा। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था में पुलिस कर्मियों ने सराहनीय भूमिका निभाई।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर संपन्न हुआ लोक आस्था का महापर्व छठ

संवाददाता

कुशीनगर। जनपद में महापर्व छठ पूजा मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। नगरपालिका कुशीनगर के शिव मंदिर पोखरा कसया, राम जानकी मठ स्थित पोखरा, भरौली, मथौली सहित ग्रामीण क्षेत्र के बुद्धा घाट, रामाभार घाट, करुणा सागर घाट, बेटसरा, धुरिया, सिरसिया, मधवापुर, खेदनी, बटेसरा, सिसवा- महंथ, बटेसरा, धुरिया आदि गांवों में बने पोखरों, जलाशयों, नदियों पर बने छठ घाट और छोटी गंडक नदी, हिरदयवती नदी, सरोवरों में भगवान भाष्कर के उदय होते व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। नगरपालिका क्षेत्र के घाटों पर नपा अध्यक्ष श्रीमती किरन राकेश जायसवाल व ईओ अंकिता शुक्ला के निर्देशन में सभासद गण राजेश मद्धेशिया, सभासद प्रभुनाथ सिंह, केशव सिंह, विनय राव, अरविंद जायसवाल, अजेंद्र सिंह, प्रधान विजय बहादुर राय, प्रधान मोहनलाल गुप्ता सहित प्रधानों, समाज सेवियों ने व्रतियों और उनके परिजनों को जलपान कराया। इस अवसर पर विधायक पीएन पाठक, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि किरन राकेश जायसवाल, सपा नेता राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी भैया, पूर्व चेयरमैन कृष्ण कुमार, ओमप्रकाश जायसवाल, संजय जायसवाल, कविंद्र पाण्डेय सहित आदि विशिष्ट जन घाटों पर पहुंचे और अपनी शुभकामनाएं दी। देवरिया जनपद के आदर्श नगर पंचायत हेतिमपुर, भुजौली, बरमेहिया, मुडेरचंद सहित आसपास के गांवों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर भगवान भास्कर और छठ मइया से परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीघार्यु और जीवन की उन्नति की कामना की। मंगलवार को भोर होते ही विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। व्रती महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजी-धजीं, सूप-दऊरा में फल, ठेकुआ, नारियल और प्रसाद लेकर घाटों की ओर रवाना हुईं। सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही यह पावन पर्व विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुआ। पूरे नगर पंचायत क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। बारिश के कारण कई घाटों पर कीचड़ और जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई, बावजूद इसके श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। कई स्थानों पर महिलाओं ने अपने घरों, आंगनों और छतों पर अस्थायी घाट बनाकर पूजा-अर्चना की। नगर पंचायत हेतिमपुर प्रशासन की ओर से घाटों पर सफाई, प्रकाश और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई थी। महुआडीह थानाध्यक्ष अमित कुमार राय तथा हेतिमपुर चौकी प्रभारी बलराम सिंह पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी महेंद्र कुमार पांडेय, अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार यादव, देसही बीडीओ अरुण कुमार पांडेय, आदित्य सिंह, रमेश जायसवाल, आलोक गुप्ता, सत्यम गिरी, परवेज आलम, जाकीर हुसैन, धर्मेंद्र यादव समेत नगर के गणमान्य नागरिक भी मौके पर उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी स्थल पर तैनात रहकर श्रद्धालुओं को आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

संक्षिप्त समाचार

शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें

पलवल, (एजेंसी)। समाधान शिविर में उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित, प्रभावी और संतोषजनक निपटान अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने जिला सचिवालय में आयोजित शिविर में लोगों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार आयोजित समाधान शिविर जनता की उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं और मौके पर ही राहत पहुंचाने का सशक्त माध्यम बने हैं। उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष शिकायतों को गंभीरता से लें और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों तक पहुंचाएं।

अनाज मंडी से 33 हजार क्विंटल धान की हुई खरीद

बल्लभगढ़। अनाज मंडी में परमल धान की सरकारी खरीद तेजी से चल रही है। अब तक मंडी में कुल 33 हजार क्विंटल धान की खरीद हो चुकी है। वहीं 5 हजार से अधिक धान का उठान नहीं हुआ है। बल्लभगढ़ मार्केट कमेटी के सचिव इंद्रपाल सिंह ने बताया परमल धान की सरकारी खरीद शुरू हो चुकी है। उनकी मंडी में हर रोज करीब 15 से 20 किसान अपनी फसलों को लेकर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले साल उनकी मंडी में 22 हजार क्विंटल की खरीद हुई थी। वहीं इस बार अब तक 33 हजार क्विंटल तक आंकड़ा पहुंच गया है। अभी करीब 10 दिनों तक किसान अपनी फसलों को लेकर आएंगे। सरकार ने इसका समर्थन मूल्य 2389 प्रति क्विंटल तय किया है। अनाज मंडी में किसानों और मजदूरों के लिए खास व्यवस्था की गई है। जिसमें 10 रुपये में भरपेट भोजन की कैंटीन, पीने के लिए ठंडा पानी, स्वच्छ शौचालय है।

अनुसूचित जाति के युवाओं को मिलेगा कौशल विकास प्रशिक्षण

पलवल,(एजेंसी)। अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के जिला प्रबंधक पवन फोगाट ने बताया कि निगम और आरएसईटीआई के माध्यम से अनुसूचित जाति वर्ग के महिला एवं पुरुष उम्मीदवारों को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें सहायक ब्यूटी थेरेपिस्ट, सहायक हेयर ड्रेसर और स्टाइलिस्ट, ब्राइडल फैशन और पोर्टफोलियो मेकअप आर्टिस्ट, स्व-कर्मचारी दर्जी तथा सहायक फाल्स सीलिंग और ड्राइवॉल इंस्टॉलर जैसे प्रशिक्षण शामिल हैं। प्रशिक्षण के लिए आयु 18 से 42 वर्ष और पारिवारिक आय 3 लाख रुपये तक निर्धारित है। पात्रता के अनुसार न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं व 10वीं पास रखी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ शेखपुरा स्थित निगम कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं।

अब आंगनबाड़ी में बच्चों को मिलेगी चॉकलेट और खीर

तिगांव, (एजेंसी)। जिले के 1,294 आंगनबाड़ी केंद्रों पर अब बच्चों और महिलाओं के लिए पोषण योजनाओं के तहत विशेष आहार सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री दूध आहार योजना के अंतर्गत अब केंद्रों पर बच्चों को प्रोटीन मिल्क बार (चॉकलेट), सूखी खीर मिश्रण और स्किम्ड मिल्क पाउडर दिया जाएगा। वहीं, बीपीएल परिवारों की महिलाओं और किशोरियों को किशोरी सम्मान योजना के तहत तीन महीने के लिए सेनेटरी पैड्स भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। हर केंद्र पर हर महीने करीब 23 किलो सूखी खीर, 15 किलो प्रोटीन मिल्क बार (प्रत्येक 30 ग्राम वजन की) और 30 किलो स्किम्ड मिल्क पाउडर 90 दिनों के लिए भेजा गया है।आंगनबाड़ी केंद्र सोमवार से शनिवार तक सुबह 8-45 बजे से दोपहर 3-00 बजे तक खुले रहेंगे, जहां लाभार्थी बीपीएल कार्ड के माध्यम से पंजीकरण कराकर योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विभाग ने साप्ताहिक मेन्यू भी तय किया है।सारा कार्य पूर्ण पारदर्शिता से किया जा रहा है। यदि कोई व्यक्ति इस प्रक्रिया में गड़बड़ी करने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह योजना न केवल बच्चों और महिलाओं के पोषण स्तर को सुधारने की दिशा में मददगार है, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने का भी एक सराहनीय प्रयास है।

सेना का जवान बनकर की ठगी

फरीदाबाद, (एजेंसी)। सेना का जवान बनकर ओएलएक्स पर मिक्सर ग्राइंडर खरीदने के बहाने 75,500 रुपये की ठगी के मामले में आरोपी को पलवल से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी 22 साल का सागर पलवल के बढराव गांव का रहने वाला है। इससे पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सागर ने बैंक खाता सौरव से लेकर आगे ठगों को दिया था।पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि मामले में खाताधारक गौरव और सौरव को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पकड़े गए तीनों आरोपी पलवल के बढराव गांव के ही रहने वाले हैं। अब पकड़े गए आरोपी सागर को एक दिन के रिमांड पर लेकर टीम पूछताछ कर रही है। ठगी को लेकर पुलिस को ये शिकायत सेक्टर-19 की रहने वाली महिला ने दी थी। इसमें आरोप लगाया कि उन्होंने अपना मिक्सर ग्राइंडर बेचने के लिए ओएलएक्स पर विज्ञापन डाला था। इसके बाद एक व्यक्ति ने अंजान नंबर से महिला को कॉल की और खुद को कश्मीर में तैनात सेना का जवान बताया। बाद में महिला के मोबाइल पर आर्मी पोर्टल से 10 रुपये क्रेडिट होने का मैसेज आया। इस मैसेज पर क्लिक करते ही महिला के खाते से 10 रुपये कट गये। इसी तरह झांसे में लेकर आरोपी ने महिला से 75,500 रुपये ठग लिए। साइबर क्राइम थाना सेंट्रल की टीम ने एफआईआर दर्ज कर जांच करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है।

महिला सब्जी विक्रेता से ठगी के मामले में चार धरे

फरीदाबाद, (एजेंसी)। महिला सब्जी विक्रेता के मोबाइल में फोन-पे स्कैनर बनाने के बहाने ठगी के मामले में चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी शिवम, चंदन व आकाश फरीदाबाद और रवि पलवल का रहने वाला है। पूछताछ में सामने आया कि शिवम खाताधारक है। शिवम ने अपना खाता आगे चंदन को, चंदन ने आगे आकाश व आकाश ने यह खाता आगे रवि को दिया था। इसके बाद रवि ने शिवम के खाते में डाले रुपयों को सीएससी के जरिये निकालकर आपस में बांट लिया। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया। चंदन व आकाश को जेल भेज दिया गया जबकि शिवम को 3 दिन व रवि को 1 दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर साइबर क्राइम थाना एनआईटी की टीम पूछताछ कर रही है।

समाधान शिविर में उपायुक्त ने सुनी जन समस्याएं

नूंह,(एजेंसी)। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जिला व उपमंडल स्तर पर आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में सोमवार को लघु सचिवालय नूंह के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त अखिल पिलानी ने आमजन की शिकायतें सुनी। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों का तय समय में निपटान करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि आयोजित शिविर में कुल 05 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, प्राप्त शिकायतों के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी आनी शिकायत का समाधान जल्द से जल्द करें।

नशा उन्मूलन व तंबाकू निषेध के लिए छात्रों ने निकाली रैली

तावडू, (एजेंसी)। नशा मुक्ति और तंबाकू निषेध के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से राजकीय संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय द्वारा सोमवार को एक जागरूकता रैली निकाली गई।

हरियाणवी न्यूज लैटर का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

स्वावलंबी और आत्मनिर्भर भारत की झलक है हस्तशिल्प मेलाः नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र। एजेंसी

हरियाणवी बोली को भाषा के रूप में स्थापित करने के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा पहली बार हरियाणवी न्यूज लैटर निकाला गया। हरियाणवी न्यूज लैटर का विमोचन मंगलवार को रत्नावली समारोह के उद्घाटन अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया। इस अवसर पर उनके साथ पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया अपनी पूरी टीम के साथ मौजूद थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणवी बोली में न्यूज लैटर निकालने पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा पर बधाई देते हुए कहा कि यह न्यूज लैटर हरियाणवी भाषा के प्रचार-प्रसार की दिशा में एक क्रांतिकारी शुरुआत है। हरियाणा की माटी की खुशबू से जुड़े इस न्यूज लैटर के माध्यम से युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ेगी।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बताया कि यह न्यूज लैटर विश्वविद्यालय का हरियाणवी भाषा और संस्कृति के प्रति दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य केवल एक न्यूज लैटर शुरू करना नहीं, बल्कि हरियाणवी को एक जीवंत, लिखित भाषा के रूप में स्थापित करना है। इसे विश्वविद्यालय के शिक्षकों, छात्रों ने मिलकर तैयार किया है, जो भविष्य में हरियाणवी पत्रकारिता का एक महत्वपूर्ण आधार साबित होगा।

निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने कहा, यह लैटर हरियाणवी साहित्य, लोक कला, संस्कृति और विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित नियमित अपडेट प्रकाशित करेगा। इसके पीछे हमारी सोच है स्थानीय से वैश्विक तक पहुंच बनाना।

रत्नावली समारोह में हस्तशिल्प मेला बना आकर्षण का केन्द्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित चार दिवसीय राज्य स्तरीय रत्नावली महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चार दिवसीय हस्तशिल्प मेले का रिबट काटकर उद्घाटन किया। मेले का अवलोकन करते हुए उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प मेले में स्वावलंबी और आत्मनिर्भर भारत की झलक दिखाई दे रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने की कड़ी में कुवि की सार्थक पहल है जिसमें युवा छात्रों को अपने कौशल द्वारा निर्मित उत्पाद को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया गया है। हस्तशिल्प मेले को देखकर लग रहा है कि हमारे युवाओं में कौशल की कमी नहीं है जरूरत है उन्हें सही दिशा देने की।

इस अवसर पर उनके साथ पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष डॉ. ऋषिपाल, चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, उपाध्यक्ष धुम्मन सिंह किरमिच, धर्मपाल चौधरी, डीवाएसीए निदेशक प्रो. विवेक चावला, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व अन्य अतिथियों को सबसे पहले हरियाणा की मान सम्मान की प्रतीक पगड़ी पहनाई गई। फिर विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग, जनसंचार विभाग, टूरिज्म विभाग, यूनिवर्सिटी सीनियर सैकेंडरी मॉडल स्कूल सहित अन्य विभागों के छात्रों द्वारा 40 के करीब स्वदेशी उत्पादों पर आधारित स्टालों का अवलोकन किया। प्रत्येक स्टाल पर छात्रों ने अपनी कला का प्रदर्शन कर सभी अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया। सबसे खास बात यह थी कि सारा सामान छात्रों ने स्वयं निर्मित किया था। छात्रों ने अलग-अलग तकनीकों के माध्यम से बनाई मुख्यमंत्री की पेंटिंग व चित्रों को उन्हें भेंट किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रत्येक स्टाल पर नियुक्त छात्रों और उनकी वस्तुओं के बारे में जानकारी ली व उनका उत्साह बढ़ाया। यही नहीं उन्होंने हरियाणवी व्यंजनों का जायका भी उठाया।

हरियाणवी चूरमे और घी कसार का स्वाद सबको भाया

चार दिवसीय रत्नावली समारोह में आने वाले प्रतिभागी व दर्शक हरियाणवी व्यंजनों का खूब स्वाद ले रहे हैं। प्रदर्शनी में होटल मैंनेजमेंट विभाग के बैंचलर इन होटल मैंनेजमेंट के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए जिसमें खासतौर पर हरियाणवी खीर, हलवा, लापसी, गुलगुले, पूडे, सुहाली, शक्करपारे, सरसो का साग, बाजरे व मक्के की रोटी, लस्सी, रायता, चूरमा और घी कसार को शामिल किया गया है। इसके साथ-साथ शुद्ध, सात्विक चूरमा, चौका चूरमा, शक्कर चूरमा, गुड़ चूरमा, लस्सी, खट्टी, मिठ्ठी, और दोनों को मिलाकर एक नई स्वादिष्ट लस्सी तैयार की गई है।

इस संबंध में विभाग के अस्सिटेंट प्रोफेसर राहुल गर्ग ने बताया कि विद्यार्थी रत्नावली महोत्सव में लगातार हरियाणवी खान-पान का स्टॉल लगा रहे है। एक विशेष हरियाणवी थाली रत्नावली में भ्रमण करने आये बच्चों, युवाओं और बुजुर्गो के लिए तैयार की गई है। इस विशेष हरियाणवी थाली में देसी घी की आलू मटर की सब्जी, लहसुन की चटनी, चार तरह की स्लाद, चावल, चार चपातियों का मिश्रण रखा गया है। अलग से गोल-गप्पों का विशेष प्रबंध किया गया है। राहुल गर्ग ने बताया कि हरियाणवी शुद्ध, सात्विक को लेकर लोगों में बड़ा उत्साह है और रत्नावली के पहले ही दिन विद्यार्थियों सैंकड़ों लोगों को खाना खिलाया है। उन्होंने कहा कि विभाग के विद्यार्थियों की अथाह मेहनत का ही परिणाम ही की देश-प्रदेश से आये हुए लोगों को हरियाणवी शुद्ध, सात्विक खाना बेहद पंसद आ रहा है। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर डॉ. ज्ञान सागर, डॉ. सुरेद्र, डॉ. गौरव ने कहा कि इतने कम पैसों में इतना अच्छा और स्वादिष्ट हरियाणवी खाना आपको पूरे प्रदेश में नहीं मिलेगा। होटल मैनेजमेंट विभाग के बैचलर इन होटल मैनेजमेंट के विनय, गौरव, जितेंद्र, दीपेश, आशा, जैशमीन, वैभव, युवराज, दीपांशु, देवांश, सुजाता, आरती, नवनीत, अंजली आदि कुल 30 विद्यार्थीगण अपने अनुभवी प्राध्यापकों डॉ. संदीप घनखड़, डॉ. महेश, डॉ. योगेश, डॉ. दिनेश, डॉ. अमित, डॉ. गौरव के साथ लोगों में हरियाणवी खान-पान की लालसा, जिज्ञासा का श्री गणेश कर रहे हैं।

ट्रकों के फर्जी गेट पास काटकर धान की सरकारी खरीद में गड़बड़ी का आरोप

ट्रक मालिक ने मंडी अधिकारियों पर लगाए पांच सौ रुपये प्रति क्विंटल घोटाले के आरोप

होडल,(ब्यूरो)। क्षेत्र की अनाज मंडियों में किसानों की धान की फसल की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर होने वाली सरकारी खरीद में एजेंसियों के अधिकारियों व मिलर्स सहित मंडी अधिकारियों ने सरकार को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचाया है। गड़बड़ी का खुलासा ट्रकों में लगे जीपीएस सिस्टम से हुआ, जहां खरीद एजेंसी (वेयरहाउस) के अधिकारियों ने दूसरे स्थान पर धान की ढुलाई का कार्य कर रहे ट्रकों के रजिस्ट्रेशन नंबरों के फर्जी गेट पास काट दिए।

ट्रक मालिकों ने जब फर्जी गेट पास काटने के मामले की सूचना वेयरहाउस अधिकारियों को दी तो उन्होंने मामले की सुनवाई से इंकार कर दिया। गौरतलब है कि क्षेत्र की अनाज मंडियों में सरकारी धान की खरीद में लगातार किसानों के साथ धोखाधड़ी कर उन्हें चूना लगाने की शिकायत किसान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय के अलावा मुख्यमंत्री नायब सैनी के कार्यालय में भी कर चुके हैं। लेकिन किसानों की समस्याओं पर किसी प्रशासनिक अधिकारी ने ध्यान नहीं दिया।मंडियों में धान की ढुलाई करने वाले ट्रक मालिक विजय अग्रवाल ने बताया कि 24 अक्टूबर को उनके दो ट्रक जिनमें जीपीएस सिस्टम सरकार के नियमों के अनुसार लगे हुए थे, होडल अनाज मंडी से मयंक राइस मिल के लिए धान की ढुलाई कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने होडल अनाज मंडी से अपने ट्रकों के गेट पास कटवाए तो खुलासा हुआ कि मिलरों ने हसनपुर अनाज मंडी में खरीद एजेंसियों के साथ मिलकर फर्जीवाड़ा करते हुए उनके ट्रकों के फर्जी गेट पास मयंक राइस मिल के नाम पर कटवा दिए।जब उन्होंने इस मामले की शिकायत खरीद एजेंसी अधिकारियों से की तो उन्होंने सुनवाई से इंकार कर दिया। ट्रक मालिक ने बताया कि 26 अक्टूबर को उन्होंने अपने ट्रक को हसनपुर अनाज मंडी से गणपति राइस मिल के धान की ढुलाई के लिए भेजा, लेकिन उससे पहले ही उसके ट्रक का फर्जी गेट पास न्यू रिश्ता एग्रो मिल के नाम से कटा हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि रविवार की दोपहर बाद से वह फर्जी गेट पास के मामलों की शिकायत करता रहा लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने अनाज मंडियों में अधिकारियों द्वारा किसानों की धान की खरीद में पांच सौ रुपये प्रति क्विंटल घोटाला करने का आरोप भी लगाया है।

बल्लभगढ़ के विकास में नहीं रहेगी कोई कमी : मूलचंद शर्मा

विधायक ने किया 71 लाख से बनने वाले मिल्क प्लांट रोड के निर्माण कार्य का शिलान्यास

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ बाजार को मुंबई-बड़ोदरा एक्सप्रेसवे से जोडने वाली मुख्य मिल्क प्लांट रोड अब आधुनिक तकनीक आरएमसी से बनाई जाएगी। सोमवार को बल्लभगढ़ के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने सडक़ निर्माण कार्य का नारियल तोडक़र विधिवत शिलान्यास किया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य लोग, भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय निवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। स्थानीय निवासियों ने ढोल बाजे के साथ विधायक का जोरदार स्वागत किया। विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने जानकारी दी कि नगर निगम द्वारा लगभग 71 लाख रुपये की लागत से इस सडक़ का निर्माण कार्य कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सडक़ बनने से बल्लभगढ़ बाजार, सेक्टर-2, मिल्क प्लांट रोड से लगती आर्य नगर, भाटिया कालोनी,
सेक्टर 2 का मुख्य मार्ग सहित कई कॉलोनियों के साथ-साथ आसपास के कई स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। श्री शर्मा बताया कि सडक़ निर्माण से पहले इस क्षेत्र में सीवर लाइन का कार्य पूरा कर लिया गया है, निगम द्वारा यहां पर पहले बड़ी सीवर लाइन डाली जा चुकी है,जिस पर लगभग 2 करोड़ 50 लाख की लागत से कार्य किया गया है , जिससे सडक़ की गुणवत्ता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। अब सडक़ को मजबूत और टिकाऊ आरएमसी लेयर से तैयार किया जाएगा, ताकि आने वाले वर्षों तक नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बदलते मौसम के चलते बीके अस्पताल में बढ़ा इलाज का दबाव

फरीदाबाद। बदलते मौसम के बीच जिले में बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है। इससे बीके अस्पताल की ओपीडी में इलाज का दबाव भी बढ़ गया है। सोमवार को अस्पताल के पर्ची काउंटर से लेकर दवाओं की खिड़की तक लंबी-लंबी लाइनें देखने को मिलीं। बदलते मौसम के चलते खांसी-जुखाम, बुखार और गले में संक्रमण के मरीज बढ़ रहे हैं।बीके अस्पताल में प्रतिदिन 150 से 200 मरीज सर्दी होने, सीने में दर्द और बुखार की समस्या लेकर पहुंच रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। सुबह से ही मरीज और उनके परिजन अपनी बारी का इंतजार करते हुए परेशान नजर आए। बीके अस्पताल में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मोहित अग्रवाल ने बताया कि बदलते मौसम के कारण मरीज बढ़ रहे हैं। पहले 40 से 50 मरीज इलाज के लिए अस्पताल में पहुंच रहे थे।अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था भी बदहाल दिखी। ओपीडी विभाग परिसर में फॉल सीलिंग की मरम्मत करने के बाद स्क्रैप ओपीडी में ही छोड़ दिया गया। इस कारण मरीजों और बुजुर्गो को आवाजाही में परेशानी हो रही है। अस्पताल में आने वाले मरीजों ने स्वास्थ्य विभाग से जल्द सफाई और व्यवस्था सुधारने की मांग की है। मरीजों का कहना है कि एक तरफ भीड़ से बेहाल हैं, वहीं दूसरी तरफ अस्पताल परिसर की गंदगी की वजह से यहां बैठने में परेशानी हो रही है। शिशु रोग विभाग के बाहर बैठी अनीता देवी पोते का इलाज कराने अस्पताल आई थीं। उन्होंने बताया कि दो घंटे के इंतजार के बाद उनका नंबर आया। वहीं, औषधालय के बाहर प्रीति एक घंटे से लाइन में लगी थीं। हाथ में दर्द की वजह से उन्हें काफी दिक्कत हो रही थी। अस्पताल में फिलहाल मरम्मत कार्य चल रहा है। जल्द सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जाएगी। इसके बाद से मरीजों को परेशानी नहीं होगी।

प्रतिबंधित 120 बोतल कोडीन सिरप सहित नशा तस्कर काबू

नूंह। जिले के थाना बिछौर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक युवक को 120 बोतल प्रतिबंधित कोडीन सिरप सहित काबू किया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस की एक टीम द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर की गई है। पुलिस प्रवक्ता कृष्ण कुमार ने बताया कि अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से सीएस स्टाफ की एक टीम होडल-पुन्हाना रोड पर स्थित बीएसएनएल एक्सचेंज के सामने मौजूद थे। उसी दौरान सूचना मिली कि नियाजउद्दीन निवासी खेडली मन्ना थाना पहाड़ी राजस्थान नामक व्यक्ति प्रतिबंधित नशीली दवाइयों के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर कस्बा पुन्हाना की तरफ जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने खेडा पुल के पास नाकाबंदी कर युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की जिसने अपनी पहचान नियाजउद्दीन बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास रखे सफेद प्लास्टिक कट्टे से प्रतिबंधित सिरप की कुल 120 बोतलें बरामद हुई। जांच करने के बाद पाया गया कि यह सिरप नशीली दवाओं की श्रेणी में आती है। आरोपी के पास किसी प्रकार का वैध लाइसेंस या परमिट नहीं मिला। इसके अतिरिक्त एक अन्य मामले में अपराध जांच शाखा नूंह प्रभारी उप-निरीक्षक प्रदीप कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने नगीना थाना क्षेत्र से सलीम निवासी जलालपुर फिरोजपुर थाना नगीना को 1.2 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल हैं।

ऑनलाइन ठगी के उस्ताद गए सलाखों के पीछे

नूंह साइबर क्राइम पुलिस ने छह साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

6 मोबाइल फोन, 10 सिम कार्ड, 1 वरना कार, 1 मोटर साइकल सहित अन्य सामान बरामद

नूंह। जिले की साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए छह शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जो लंबे समय से ऑनलाइन ठगी, सेक्सटॉर्शन, जानकार बनकर लोगों को ठगने के अपराध में लिप्त थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरशद और वसीम निवासी गांव चित्तौड़ा थाना फिरोजपुर झिरका , आमिर निवासी गांव लफुरी थाना बिछौर (जिला नूंह), साबिर खान निवासी गांव खरड़ धोलेट, थाना पहाड़ी (राजस्थान), जलालुद्दीन निवासी बंदापुर जोड़ियां थाना चोपानकी अलवर, राजस्थान) तथा सत्यम सिंह निवासी जालौन उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।आयुष यादव, सहायक पुलिस अधीक्षक नूंह ने बताया कि ये सभी आरोपी विभिन्न राज्यों में फैले साइबर ठगी के नेटवर्क का हिस्सा थे, जो मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के जरिये लोगों से लाखों रुपये की ठगी कर चुके हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि अरशद और वसीम फर्जी मोबाइल नंबरों और सिम कार्डो का प्रयोग करते हुए खुद को बैंक प्रतिनिधि या सरकारी अधिकारी बताकर लोगों को कॉल और मैसेज भेजते थे। आरोनी केवाईसी अपडेट, खाता ब्लॉक होने या इनाम जीतने का लालच देकर ओटीपी और बैंक डिटेल हासिल कर खातों से रकम उड़ा लेते थे। आमिर सोशल मीडिया पर नकली महिला प्रोफाइल बनाकर पुरुषों को फंसाता था और फिर अश्लील वीडियो कॉल कर रिकॉर्डिंग बनाकर ब्लैकमेल करता था।

हरियाणा की लोक-संस्कृति के महाकुंभ 'रत्नावली महोत्सव' का मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया भव्य शुभारंभ

रत्नावली महोत्सव हरियाणा की लोक-संस्कृति, कला और परंपरा को सहेजने का प्रेरक मंच - मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। हरियाणा की समृद्ध लोक-संस्कृति और कला परंपरा को सहेजने वाले राज्य स्तरीय रत्नावली महोत्सव का आज कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में भव्य शुभारंभ हुआ। महोत्सव में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उत्सव हरियाणा की गौरवशाली विरासत, हमारी माटी की महक और लोक जीवन की झलक प्रस्तुत करता है। यह विद्यार्थियों को न केवल अपने व्यक्तित्व को निखारने का अवसर देता है, बल्कि उन्हें अपनी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व करने की भावना से भी ओतप्रोत करता है। रत्नावली महोत्सव केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी जड़ों और पहचान को पुनर्जीवित करने का एक प्रेरक मंच है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा द्वारा पद्मश्री से अलंकृत संतराम देशवाल तथा कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले श्री अनूप लाठर को सम्मानित किया गया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री व अन्य अतिथियों ने हरियाणवी बोली में प्रकाशित रत्नावली टाईम्स पत्रिका का भी विमोचन किया।

अपने संबोधन में श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वे ऊर्जावान युवाओं के बीच आकर अत्यंत उत्साहित हैं। यह देखकर गर्व होता है कि नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि यह महोत्सव एक ऐसा मंच है, जो युवा पीढ़ी को हमारी जड़ों से जोड़ता है। रत्नावली महोत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने, संरक्षित करने और उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का एक अनुपम प्रयास है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोग संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि हरियाणा की संस्कृति में सादगी, स्वाभिमान और देशभक्ति का भाव रचा-बसा है। रत्नावली महोत्सव इन्हीं मूल्यों का उत्सव है और इस मंच से निकलने वाले कलाकार न केवल प्रदेश बल्कि देश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी हमारे प्रदेश का भविष्य है और संस्कृति के संवाहक भी। यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि हमारी युवा पीढ़ी अपनी विरासत को लेकर कितनी सजग और उत्साहित है। शिक्षा हमें ज्ञान और कौशल देती है, लेकिन संस्कृति हमें संस्कार और पहचान देती है। उन्होंने कहा कि वेशभूषा, नृत्य, लोकगीत, हरियाणवी %सांग% और %रागनी%, यहां बनाई गई झोपड़ियां ये सब केवल प्रदर्शन मात्र नहीं हैं, ये हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि युवा शिक्षा के साथ-साथ अपनी संस्कृति व विरासत से भी जुड़े रहें।उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय है। यह प्रदेश 1966 में बना लेकिन इस विश्वविद्यालय की नींव 1956 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी ने रखी थी। हरियाणा प्रदेश के शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक विकास में इस विश्वविद्यालय का अमूल्य योगदान है। हरियाणा ने शिक्षा, खेल, संस्कृति, शोध, औद्योगिक क्षेत्र में प्रगति कर अग्रणी राज्य के रूप में भारत में अलग पहचान बनाई है।

रुस का ट्रंप को तंज... बिना तैयारी बैठक करने में समय बर्बाद नहीं करते पुतिन

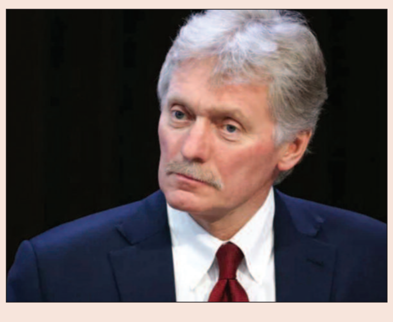

मॉस्को (एजेंसी)। रूस-अमेरिका के बीच यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की उम्मीदों पर फिर से झटका लगा है। रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने दो टूक कहा, 'राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मीटिंग सिर्फ मीटिंग के लिए नहीं करते। उन्हें वक्त बर्बाद करना बिल्कुल पसंद नहीं, मतलब बिना तैयारी के कोई भी मीटिंग बेकार है। इसलिए विदेशमंत्री सर्गेई लावरोव और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को तैयारी का आदेश दिया है। प्रॉसेस जटिल है। उन्होंने कहा, पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मीटिंग कैंसल होने की बात गलत है, क्योंकि अभी तक तारीख तय नहीं थीं। क्रेमलिन की ये ताजा प्रतिक्रिया उस वक्त आई हैं, जब ट्रंप ने कहा कि मीटिंग 'वेस्ट ऑफ टाइम' होगी। लेकिन रूस का ये स्टैंड इशारा दे रहा कि पुतिन किसी भी कीमत पर झुकने के लिए तैयार नहीं। वे अपनी पुरानी शर्तों पर कायम हैं। यूक्रेन की डी-मिलिटराइजेशन करना होगा। डोनबास पुतिन अब नहीं छोड़ने वाले और नाटो का यूक्रेन तक विस्तार उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं है। शुरुआत अगस्त में हुई जब अलास्का के एंकरेज में ट्रंप-पुतिन की पहली समिट हुई। वहां दोनों ने यूक्रेन पर बात की। ट्रंप ने कहा, मैं युद्ध 24 घंटे में खत्म कर दूंगा। पुतिन ने शांति की बात मानी, लेकिन शर्तें रखीं। 16 अक्टूबर को ट्रंप ने ऐलान किया, दो हफ्तों में बुडापेस्ट में दूसरी मीटिंग होगी। पहले लावरोव-रूबियो बात करने वाले है। लेकिन 21 अक्टूबर को ही ट्रंप ने यू-टर्न ले लिया। व्हाइट हाउस ने कहा, तुरंत किसी मीटिंग का कोई प्लान नहीं। रूस ने तुरंत इस खबर को फर्जी न?यूज बताया। लेकिन पेस्कोव ने माना, डेट सेट ही नहीं था। उन्होंने लिखा, कैंसलेशन गलत, लेकिन ओवरनाइट नहीं हो सकता। ज्यादा नाइट्स चाहिए? फिर लावरोव ने रूबियो से फोन पर बात की, लेकिन शर्तों पर अड़े रहे। बात दें कि पुतिन के हामी नहीं भरने पर ट्रंप खफा हो गए। उन्होंने रूस की सबसे बड़ी दो तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस पर पेस्कोव ने कहा, ये अनफ्रेंडली स्टेप है। रिश्तों को नुकसान पहुंचाता है। ट्रंप के बयानों के बावजूद, हमारे हित अच्छे रिश्ते बनाना है।

जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री ताकाइची से मिले ट्रंप...यह एक बहुत मजबूत हैंडशेक है

-ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने का भरोसा

टोक्यो (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों एशिया के दौरे पर हैं। मंगलवार को उन्होंने जापान में देश की पहली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची से मुलाकात की है। इस मुलाकात को कई मायनों में अहम माना जा रहा है। टोक्यो में जापान की नवनियुक्त प्रधानमंत्री से मिलते हुए, जब दोनों ने हाथ मिलाया, तब ट्रंप मुस्कुराते हुए कहा, यह एक बहुत मजबूत हैंडशेक है। ट्रंप की एशिया यात्रा पदभार संभालने के बाद से उनके सबसे अहम दौरों में से एक है। जापान में कुछ ही दिन पहले पदभार संभालने वाली ताकाइची अपने देश के व्यापारिक हितों को संतुलित कर अमेरिका के साथ मजबूत संबंध बनाने और ट्रंप के साथ सकारात्मक बैठक के लिए उत्सुक हैं। वहीं ट्रंप अमेरिकी टैरिफ में कटौती और अमेरिकी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किए गए व्यापार समझौते के तहत 550 अरब अमेरिकी डॉलर का जापानी निवेश हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में ताकाइची की भूमिका को बड़ी बातकर जापान के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। ट्रंप ने कहा कि ताकाइची महान प्रधानमंत्रियों में से एक होंगी। अमेरिका को जापान का सबसे अहम सहयोगी बताकर ट्रंप ने कहा, 'जापान की मदद के लिए जो कुछ भी कर सकता हूं, करूंगा। हम सबसे मजबूत स्तर पर सहयोगी हैं।' वहीं जापानी पीएम ने कहा है कि जापान ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करेगा। वाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने बताया कि जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची अमेरिकी राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करेंगी। इससे पहले ताकाइची ने ट्रंप की भूमिका की सराहना की थी। उन्होंने कहा, इतने कम समय में ही दुनिया में शांति का माहौल बन गया है। ताकाइची ने आगे कहा, राष्ट्रपति जी, मैं स्वयं आपसे बहुत प्रभावित और प्रेरित हूं।

ट्रंप ने अपने कार्यकाल में उपराष्ट्रपति माइक पेंस पर बुरी तरह से भड़के और कायर कह दिया

वाशिंगटन (एजेंसी)। पहले कार्याकाल में डोनाल्ड ट्रंप अपने उपराष्ट्रपति माइक पेंस पर 6 जनवरी, 2021 को बुरी तरह भड़के थे क्योंकि पेंस ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडन की जीत को औपचारिक रूप से प्रमाणित करने से रोकने के लिए ट्रंप का समर्थन नहीं किया। दरअसल पेंस ने संवैधानिक और कानूनी कारणों से कांग्रेस के जॉइंट सेशन में अपनी भूमिका का इस्तेमाल करके बाइडन की चुनावी जीत के प्रमाणन को रोकने के ट्रंप के प्रयासों का समर्थन करने से इंकार किया था। पेंस के नए सामने आए नोट्स के मुताबिक, ट्रंप ने फोन पर हुई आखिरी बातचीत में पेंस को कायर कहा था। ट्रंप ने पेंस से कहा था, आप कायर बनकर रह जाएंगे। और कहा था, आप हमारे देश की रक्षा नहीं कर रहे हैं। आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप हमारे देश का समर्थन और बचाव करें।

14,000 किलोमीटर की रेंज, तबाही का दूसरा नाम है ये मिसाइल... ट्रंप दिख रहे परेशान

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की कि रूस ने अपनी परमाणु-संचालित क्रूज मिसाइल बुरेवेस्तनिक का सफल परीक्षण किया है। रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के प्रमुख वैलेरी गेरासिमोव के अनुसार, मिसाइल परीक्षण के दौरान लगभग 15 घंटे तक हवा में रही और करीब 14,000 किलोमीटर की दूरी तय की। पुतिन ने दावा किया कि यह मिसाइल दुनिया में किसी अन्य देश के पास नहीं है और यह दुश्मन की मिसाइल रक्षा प्रणालियों को आसानी से चकमा दे सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक यह मिसाइल हवाई और मिसाइल रक्षा प्रणालियों को भेदने में सक्षम है। पुतिन ने कहा कि इस हथियार को जल्द ही तैनात करने की तैयारी की जाएगी और इसके उपयोग के तरीकों पर विचार किया जाएगा तथा बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा।

यह परीक्षण तब हुआ है जब रूस और अमेरिका के बीच कूटनीतिक रिश्ते और खराब हुए हैं, खासकर अमेरिका द्वारा रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने के बाद। पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ प्रस्तावित शिखर सम्मेलन भी रद्द हो गया था, जिससे तनाव और बढ़ गया था। रूस ने पिछले सप्ताह पुतिन की निगरानी में एक रणनीतिक परमाणु बल अभ्यास भी किया था। रूसी विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव ने अमेरिकी दौरे के दौरान अमेरिकी प्रशासन को सफल परीक्षण और युद्धक्षेत्र के अपडेट की जानकारी दी थी। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के अनुसार, शहर की हवाई रक्षा प्रणालियों ने दर्जनों ड्रोनों को मार गिराया, जिससे जुकोव्स्की और डोमोडेडोवो हवाई अड्डों पर कुछ समय के लिए उड़ानें रोक दी गईं। रूस के बेलगोरोद क्षेत्र में यूक्रेन के हमलों में छह नागरिक घायल हो गए।

यूक्रेन पर रूस के हमले तेज

रूस ने शनिवार से रविवार की रात यूक्रेन पर 100 से अधिक ड्रोन हमले किए। इन हमलों में कीव में ऊंची इमारतों को निशाना बनाया गया, जिसमें कई लोग सो रहे थे। यूक्रेन के आंतरिक मंत्री इहोर क्लिमेंको ने बताया कि कीव में हुए हवाई हमलों में एक 19 साल की लड़की और उसकी 46 साल की मां सहित तीन लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 33 लोग घायल हुए, जिसमें सात बच्चे शामिल हैं। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि घायलों में एक चार साल का बच्चा भी है। आठ लोगों को अस्पताल में भर्ती किया। कीव के डेसनियान्स्की क्षेत्र में एक नौ मंजिला इमारत में आग लग गई, जहां से 13 लोगों को सुरक्षित निकाला गया।

फेक खबर फैलाते पाक पीएम शहबाज शरीफ को एक्स ने पकड़ा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर झूठ फैलाने के लिए बड़ी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। उन्होंने एक पोस्ट में भारत पर जम्मू-कश्मीर पर कब्जा और मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाया, लेकिन एक्स के कम्युनिटी नोट्स ने तुरंत ही उनका दावा गलत साबित कर दिया। जानकारी अनुसार पीएम शहबाज ने लिखा, हर साल 27 अक्टूबर कश्मीर के इतिहास का सबसे काला दिन होता है। 78 साल पहले इसी दिन भारतीय सेना ने श्रीनगर पर कब्जा किया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत ने जम्मू-कश्मीर को अवैध रूप से कब्जे में लिया है और वहां के लोगों पर दशकों से अत्याचार हो रहे हैं। हालांकि,

एक्स ने उनके पोस्ट पर 'भ्रामक जानकारी' का टैग लगाते हुए तथ्यात्मक स्पष्टीकरण जोड़ा। कम्युनिटी नोट्स में लिखा गया कि यह दावा गलत है। महाराजा हरि सिंह ने 26 अक्टूबर 1947 को भारत में विलय के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। उसी के बाद भारत ने जम्मू-कश्मीर की रक्षा के लिए 27 अक्टूबर को सेना भेजी थी। इसके साथ ही एक्स ने महाराजा हरि सिंह द्वारा किए गए विलय दस्तावेज का संदर्भ भी साझा किया, जिससे साफ हो गया कि भारत की कार्रवाई पूरी तरह कानूनी थी। इस घटना के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की सोशल मीडिया पर जमकर किरकिरी हो रही है।

जमैका से टकराने जा रहा साल का सबसे ताकतवर तूफान 'मेलिसा', अब तक 7 की जा चुकी जान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जमैका की ओर तेजी से बढ़ रहा हरिकन मेलिसा, जिसे वर्ष 2025 का सबसे शक्तिशाली तूफान माना जा रहा है। अमेरिकी मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यह कैटेगरी-5 स्तर का हरिकेन बन चुका है, जिसकी रफ्तार 175 मील प्रति घंटा यानी करीब 282 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई है। यह अब तक का सबसे खतरनाक और विनाशकारी तूफान साबित हो सकता है।

मेलिसा के प्रभाव से हैती, डोमिनिकन रिपब्लिक और जमैका में अब तक कुल 7 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इनमें जमैका में 3, हैती में 3 और डोमिनिकन रिपब्लिक में 1 व्यक्ति की मौत होने की खबर है। अमेरिकी नेशनल हरिकेन सेंटर (एनएचसी) के अनुसार, यह तूफान जमैका के तट से टकराने की स्थिति में आ गया है। इस तूफान और उसके प्रभाव को लेकर मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है, कि अमेरिकी वायुसेना रिजर्व के 403वें विंग के 'हरिकेन हंटर्स' ने तूफान के केंद्र से गुजरते हुए एक वीडियो बनाया, जिसे अब जारी किया गया है। इस वीडियो फुटेज में मेलिसा की भयावहता स्पष्ट दिख रही है। वीडियो में तूफान का 'आई' यानी उसका केंद्र भाग दिखाई देता है, जहां हवाएं अत्याधिक तेज गति से घूम रही हैं।

बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ा

मेलिसा के कारण कैरिबियाई क्षेत्रों में लगातार तेज बारिश जारी है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन की आशंका बढ़ गई है। जमैका सरकार ने राजधानी किंग्सटन सहित कई तटीय इलाकों में निकासी आदेश जारी कर दिए हैं। अब तक 881 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जहां लोगों को अस्थायी रूप से शरण दी जा रही है।

जमैका की शिक्षा मंत्री डाना मॉरिस डिक्सन ने कहा, ऐसा तूफान हमने पहले कभी नहीं देखा। अक्टूबर भर से लगातार बारिश हो रही है, जमीन पहले से भीगी हुई है, इसलिए भारी बाढ़ और भूस्खलन की संभावना बहुत ज्यादा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि यह तूफान वर्तमान गति से टकराया, तो यह 1851 के बाद से जमैका को प्रभावित करने वाला सबसे शक्तिशाली हरिकेन होगा।

पाक सेना की कार्रवाई के खिलाफ विदेश में प्रदर्शन, दक्षिण कोरिया में बलूचिस्तान का दर्द गूंजा

सियोल (एजेंसी)। पाकिस्तान की सेना के खिलाफ अब विरोध की आवाजें देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी सुनाई देने लगी हैं। दरअसल दक्षिण कोरिया के शहर बुसान में सोमवार को सैकड़ों लोगों ने बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध ठीक एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन से पहले हुआ, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप सहित कई वैश्विक नेता शामिल थे। ऐसे समय में यह प्रदर्शन पाकिस्तान के लिए बड़ी शर्मिंदगी बन गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बलूच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) के कार्यकर्ताओं ने बुसान की सड़कों पर बलूचिस्तान के लिए न्याय, जेहरी की घेराबंदी खत्म करो और बलूच नरसंहार बंद करो जैसे नारे लगाए। उन्होंने स्थानीय लोगों के बीच अंग्रेजी और कोरियाई भाषा में पर्चे बांटकर बताया कि बलूचिस्तान के जेहरी क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना ने किस तरह की तबाही मचाई है। इन पर्चों में आरोप लगाया गया कि सेना लोगों को घरों से उठाती है, फिर उन्हें लापता कर देती है या मार देती है। प्रदर्शनकारियों ने कहा, जेहरी खून से लथपथ है और अब दुनिया को चुप नहीं रहना चाहिए।

विरोध के दौरान बीएनएम कार्यकर्ताओं ने टूटे घरों और पीड़ित परिवारों की तस्वीरें भी प्रदर्शित कीं। संगठन के अनुसार, हालिया हवाई हमलों में 10 बच्चों समेत 20 से अधिक नागरिक मारे गए हैं, जबकि 50 से ज्यादा युवकों को जबरन गायब कर दिया गया है। आरोप यह भी लगाया गया कि पाकिस्तानी सेना ने अस्पतालों को सैन्य ठिकानों में बदल

दिया है और इलाके में 24 घंटे का कर्फ्यू लगा रखा है।

पाकिस्तानी सेना के खिलाफ यह विरोध केवल दक्षिण कोरिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पिछले सप्ताह नीदरलैंड के उट्रेच में भी इसी तरह का प्रदर्शन हुआ था। इस प्रदर्शन के दौरान मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई को ÷युद्ध अपराध÷ करार दिया। वहीं, अमेरिका में व्हाइट हाउस के बाहर भी बीएनएम ने प्रदर्शन कर पाकिस्तान को आतंकवादी राज्य बताया। संगठन ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान बलूचिस्तान और अन्य इलाकों के प्राकृतिक संसाधनों का शोषण कर रहा है। इसी के साथ ही बीएनएम ने एमनेस्टी इंटरनेशनल और संयुक्त राष्ट्र से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। एपेक सम्मेलन के दौरान हुए इस विरोध ने पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय साख पर एक और गहरा धब्बा लगा दिया है, क्योंकि अब वैश्विक समुदाय उसके मानवाधिकार रिकॉर्ड पर गंभीर सवाल उठा रहा है।

नेपाल में बढ़ते तनाव के चलते टल सकते हैं चुनाव, भारत रख रहा पैनी नजर

काठमांडु (एजेंसी)। नेपाल में एक बार फिर तनाव की स्थिति बन रही है। आरोप लग रहे हैं कि वर्तमान सरकार की रणनीति नेपाली कांग्रेस (एन) और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (यूएमएल) जैसी स्थापित पार्टियों को कमजोर करना है, जबकि उभरते हुए पश्चिम समर्थक समूहों को फायदा पहुंचाना है। यही कारण है कि अगले साल होने वाले चुनाव भी टाले जा सकते हैं।

नेपाल में बीते महीने जेन-जेड के व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद देश की सरकार गिर गई थी। अनिश्चिताओं के बीच युवाओं ने अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए देश की पूर्व मुख्य न्यायधीश सुशीला कार्की के नाम पर मुहर लगाई, जिसके बाद देश में शांति की उम्मीद जताई गई। अंतरिम सरकार ने अगले साल मार्च तक लोकतांत्रिक चुनाव करवाने की भी घोषणा की थी। हालांकि अब इस योजना पर अंधेरा छाता दिख रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक नेपाल में 5 मार्च को होने वाले चुनावों को टालने की बातचीत शुरू हो गई है।

शीर्ष खुफिया सूत्रों ने यह भी कहा कि भारत नेपाल की राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है। सूत्रों ने कहा कि भारत नेपाल में जल्द से जल्द लोकतांत्रिक व्यवस्था चाहता है। भारत को चिंता है कि नेपाल की नाजुक अर्थव्यवस्था का पतन देश को

गृहयुद्ध की ओर धकेल सकता है। वहीं भारतीय एजेंसियां बाहरी हस्तक्षेप को लेकर भी सतर्क हैं। उनका मानना है कि ज्यादा लंबे समय तक राजनीतिक शून्यता भारत विरोधी तत्वों को नेपाल में अपनी नींव जमाने का मौका दे सकती है। वहीं इस मौके का फायदा चीन भी उठा सकता है। यह समय चीन को नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ाने का मौका दे सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल में मार्च 2026 में तय समय पर चुनाव होने की संभावना नहीं है और इन्हें मई या जून तक टाला जा सकता है। नेपाल चुनाव में हो रही इस देरी का मुख्य कारण देश जारी राजनीतिक अनिश्चितता और पारंपरिक सत्ता समूहों पर बढ़ता दबाव है। सूत्रों ने दावा किया है कि वर्तमान सरकार की रणनीति नेपाली कांग्रेस (एन) और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (यूएमएल) जैसी स्थापित पार्टियों को कमजोर करना है, जबकि उभरते हुए पश्चिम समर्थक समूहों को फायदा पहुंचाना है। वहीं सूत्र ने यह भी कहा है कि कुछ आंतरिक और बाहरी ताकतें व्यवस्थागत सुधार की आड़ में नेपाल के युवा आंदोलन का इस्तेमाल देश में और अस्थिरता पैदा करने के लिए कर सकती हैं। इससे पहले सितंबर में नेपाल के युवाओं ने शीर्ष नेतृत्व में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा विद्रोह छेड़ दिया था। इन प्रदर्शनों को को जेन जेड आंदोलन का नाम दिया गया। देश भर में हुई हिंसा के बाद देश के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था। हिंसक विरोध प्रदर्शनों में कम से कम 73 लोग मारे गए थे।

बांग्लादेश में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की उठी मांग, कहा- ये चरमपंथी हिंदुत्व संगठन

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) पर प्रतिबंध लगाने की मांग तेज हो गई है। कट्टरपंथी इस्लामी संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम ने चटगांव में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया और इस्कॉन को चरमपंथी हिंदुत्व संगठन करार देते हुए इसे तत्काल बैन करने की अपील की। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त में सामने आया है, जब हाल के महीनों में हिंदू अल्पसंख्यकों और उनके धार्मिक स्थलों पर हमलों की खबरें लगातार सुर्खियों में रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, चटगांव की रैली में शामिल वक्ताओं ने अंतरिम सरकार पर पक्षपात का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों या अल्पसंख्यकों पर हमले होते हैं तो मुख्य सलाहकार सोशल मीडिया पर फौरन प्रतिक्रिया देते हैं, लेकिन जब किसी इमाम या खातिब पर अत्याचार होता है, तो खामोशी छा जाती है। हिफाजत नेता अशरफ बिन याकूब ने साफ शब्दों में कहा, बांग्लादेश सरकार को इस्कॉन पर फौरन प्रतिबंध लगाना चाहिए। मौलाना याकूब ने वकील आलिफ की हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी और उनकी जमानत रद्द करने की भी मांग उठाई। गौरतलब है कि पिछले साल 26 नवंबर को चटगांव में पुलिस और इस्कॉन के पूर्व सदस्य चिन्मय कृष्ण दास के समर्थकों के बीच झड़प हुई थी, जिसमें आलिफ की मौत हो गई थी। हिफाजत कार्यकर्ताओं ने शहर में जुलूस निकाला और इस्कॉन पर बैन लगाओ के नारे लगाए।

उधर, ढाका में इंतिफादा बांग्लादेश ने भी प्रदर्शन किया और अंतरिम सरकार के सामने छह मांगें रखीं, जिनमें इस्कॉन पर प्रतिबंध, इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई और स्वतंत्र जांच प्रमुख थीं।अल कायदा से जुड़े अंसारुल्लाह बंग्ला टीम के नेता जसीमुद्दीन रहमानी ने इस्कॉन को हिंदू संगठन नहीं, बल्कि यहूदियों का चरमपंथी समूह बताया। उन्होंने कहा, यह संगठन लगातार अपराध कर रहा है। इस पर प्रतिबंध समय की जरूरत है। इंतिफादा के सदस्य अहमद रफीक ने एक इमाम के अपहरण और पिटाई का जिक्र करते हुए सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाया। उनका कहना था कि इमाम ने इस्कॉन के खिलाफ बोलने की हिम्मत की तो उसे चेन से बांधकर पीटा गया, फिर भी सरकार आरोपियों को बचाने में लगी है। शेख हसीना की सरकार के अगस्त 2024 में गिरने के बाद इस्कॉन के खिलाफ विरोध की लहर तेज हो गई है। कई इस्कॉन मंदिरों और केंद्रों पर हमले हुए हैं। संगठन के प्रमुख नेता चिन्मय कृष्ण दास प्रभु को जेल में डाला गया है। जनवरी 2025 में बांग्लादेश फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ने इस्कॉन के 17 सदस्यों के बैंक खाते फ्रीज कर दिए थे। इन घटनाओं ने हिंदू समुदाय में दहशत पैदा कर दी है, जबकि कट्टरपंथी संगठन इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बता रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि राजनीतिक अस्थिरता का फायदा उठाकर धार्मिक उन्माद भड़काया जा रहा है, जिससे अल्पसंख्यक समुदाय लगातार खतरे में हैं।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच शांति वार्ता फेल होने से चीन के माथे पर चिंता की लकीर

इस्तांबुल (एजेंसी)। तुर्की के इस्तांबुल में चल रही अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच शांति वार्ता फिर नाकाम होती दिख रही है। दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच लिखित गारंटी, शरणार्थी वापसी और सीमा सुरक्षा को लेकर बातचीत बेनतीजा रही। रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान नेतृत्व ने पाकिस्तान की शर्तों को 'अविश्वास पर आधारित' बताकर खारिज कर दिया। सूत्रों के अनुसार, इस विफलता का बड़ा कारण पाकिस्तान की बढ़त हासिल करने की नीति और तालिबान पर गहराता शक हैं।

खुफिया सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान चाहता था कि अफगानिस्तान लिखित में यह भरोसा दें कि अफगान धरती का इस्तेमाल तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की ओर से नहीं होगा। लेकिन तालिबान सरकार ने इस शर्त को अपनी संप्रभुता पर चोट बताया और साफ इंकार कर दिया। अफगानिस्तान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान 15 लाख से ज़्यादा अवैध अफगान शरणार्थियों की जबरन वापसी कराकर मानवीय संकट खड़ा कर रहा है। तालिबान ने कहा कि इस्लामाबाद 'शरणार्थियों के मुद्दे को राजनीतिक ब्लैकमेल' के औजार की तरह इस्तेमाल कर रहा है।

इसी दौरान रविवार को खैबर पख्तूनख्वा सीमा पर फिर झड़पें हुईं, जिसमें 5 पाकिस्तानी सैनिक और 25 उग्रवादी मारे गए। पाकिस्तान ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पड़ोसी देश अफगानिस्तान से घुसपैठ की दो बड़ी कोशिशों को नाकाम कर चार आत्मघाती हमलावरों सहित 25 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा ने बताया कि पांच सैनिक भी मारे गए।

वहीं तालिबान और पाकिस्तान के बीच सहमति नहीं बनने से चीन चिंतित है, क्योंकि असफल बातचीत सीपीईसी-अफगानिस्तान एक्सटेंशन कॉरिडोर के लिए झटका। पाकिस्तान का कहना है कि तालिबान सरकार उग्रवादियों पर काबू नहीं कर पा रही, जबकि काबुल का जवाब है कि पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा खुद संभालनी चाहिए। खुफिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि अक्टूबर के मध्य से टीटीपी गुटों की सीमा पार आवाजाही फिर शुरू हो गई है। यह आवाजाही खोस्त और पक्तिका रूट से हो रही है। यही नहीं, वार्ता के बाद संयुक्त बयान तक जारी न हो पाने से तुर्की की मध्यस्थ छवि पर भी असर पड़ा है। वहीं दूसरी तरफ तुर्की के राजनयिकों ने स्वीकार किया कि 'दोनों पक्षों ने इस्तांबुल को सिर्फ प्रतीकात्मक मंच' की तरह इस्तेमाल किया, ताकि मुस्लिम भाईचारे का दिखावा किया जा सके।

पहले टी20 में आज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कैनबरा (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने हाल में एशिया कप जीता है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं मेजबान टीम को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। भारतीय टीम की बल्लेबाजी सूर्यकुमार के अलावा अभिषेक शर्मा , शुभमन गिल, तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी। अभिषेक और शुभमन की सलामी जोड़ी इस सीरीज में भारतीय टीम को आक्रामक शुरुआत देना चाहेगी। अभिषेक की तूफानी बल्लेबाजी से भारतीय टीम के पास बड़े स्कोर बनाने का अवसर रहेगा। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह के पास रहेगी। स्पिनर के तौर पर टीम के पास कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी हैं जिनका सामना करना कंगारुओं के लिए आसान नहीं रहेगा। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने हाल के महीनों में नई गेंद और डेथ ओवरों में शानदार नियंत्रण दिखाया है। अगर वह और बुमराह दोनों तेज गेंदबाज अपनी लय पा लें, तो ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों के लिए रन बनाना कठिन हो पाएगा।

वहीं दूसरी ओर मिचेल मार्श की कप्तानी में उतर रही मेजबान टीम की बल्लेबाजी ट्रैविस हेड, मार्कस स्टोइनिस, और टिम डेविड पर आधारित रहेगी। वहीं स्पिन की जिम्मेदारी अनुभवी एडम जम्पा की अनुपस्थिति में तनवीर सांगा। संभालेंगे। तेज गेंदबाजी की कमान जोश हेजलवुड संभालेंगे । उनका साथ सीन सीन एबॉट व नाथन एलिस देंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक कुल 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें भारतीय टीम का पलड़ा भारी है। उसे 20 मुकाबले में जीत मिली है, जबकि ऑस्ट्रेलिया केवल 11 मैच ही जीत पाई है और एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारत ने कुल 12 मैच खेले हैं, जिसमें उसे 7 में जीत मिली है जबकि ऑस्ट्रेलिया को 5 मैच में जीत मिली है। वहीं दोनो टीमों के बीच पिछले छह में से पांच मैचों में भारतीय टी जीती है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह और वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया: मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा, ग्लेन मैक्सवेल और तनवीर सांगा।

जसप्रीत बुमराह के पास इतिहास रचने का मौका, रिकॉर्ड तोड़ने से मात्र तीन विकेट दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने के कगार पर हैं। बुमराह को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज बनने के लिए अब सिर्फ तीन विकेट की जरूरत है।

फिलहाल यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सईद अजमल के नाम है, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 मैचों में 19 विकेट लिए थे, औसत 14.26 के साथ। बुमराह ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 17 विकेट झटके हैं और इस सूची में उनके साथ पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर, न्यूज़ीलैंड के मिशेल सैंटनर और ईश सोढ़ी भी शामिल हैं।

टीम इंडिया के लिए बड़ी उम्मीदें

तीन वनडे मैचों की सीरीज से आराम मिलने के बाद बुमराह अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मुकाबलों में लौटने जा रहे हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने संकेत दिए हैं कि बुमराह पावरप्ले ओवर्स में भी गेंदबाज़ी करेंगे, जैसा कि उन्होंने एशिया कप 2025 में किया था।

सूर्यकुमार ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पावरप्ले में रन रोकना हमेशा चुनौती होती है। बुमराह ने पिछले टूर्नामेंट में नई गेंद से गेंदबाज़ी की ज़िम्मेदारी उठाई थी, और टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई थी।'

टी20 सीरीज से पहले ट्रैविस हेड की भारत को चेतावनी, हम कुछ भी स्कोर कर सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई विस्फोटक बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड ने भारत के खिलाफशुरू होने जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज़ से पहले आत्मविश्वास भरा बयान दिया है। हेड का कहना है कि मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ी क्रम में इतनी ताकत है कि टीम किसी भी लक्ष्य का पीछा कर सकती है या फिर विशाल स्कोर खड़ा कर सकती है।

29 अक्टूबर से शुरू हो रही सीरीज़ से पहले हेड ने कहा कि टीम पावरप्ले में अधिकतम फायदा उठाने की कोशिश करेगी और शुरुआत में ही विपक्ष पर दबाव बनाने की रणनीति है।

हेड नेकहा, 'हमारे पास जब टिम डेविड, मार्कस स्टोइनिस, जोश इंग्लिस, कैमरन ग्रीन और ग्लेन मैक्सवेल जैसे पावर हिटर मौजूद हैं, तो हमें शुरुआत में रन बनाने होंगे। जब हमारी शुरुआत अच्छी होती है, तो हम कोई भी स्कोर बना सकते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मिच (मार्श) और मैं कोशिश करेंगे कि पावरप्ले ओवर्स में तेज़ शुरुआत करें। पिछले कुछ सालों से यह हमारी ताकत रही है – चाहे वनडे हो या टी20 – हम शुरुआती ओवर्स में आक्रामक खेलते हैं। कभी-कभी यह जोखिम भरा दिखता है, लेकिन यही हमारी रणनीति है।'

ऑस्ट्रेलिया का मजबूत बल्लेबाज़ी क्रम

इस सीरीज़ के लिए ऑस्ट्रेलिया ने बेहद दमदार बल्लेबाज़ी लाइन-अप चुनी है, जिसमें ट्रैविस हेड, कप्तान मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, टिम डेविड, मार्कस स्टोइनिस, जोश इंग्लिस और मैथ्यू शॉर्ट जैसे बल्लेबाज शामिल हैं। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पिछली टी20 सीरीज़ 2-0 से जीतने के बाद टीम इंडिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम उसी लय को जारी रखना चाहेगी।

श्रीकांत और कैफ ने सीमित ओवरों में शुभमन के असफल होने का कारण बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल के लिए अपना पहला दौरा बल्लेबाजी के लिहाज से अच्छा नहीं रहा और वह तीन मैचों में कुल मिलाकर 43 रन ही बना पाये। वहीं इससे पहले पहले इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट टीम की कप्तान करते हुए शुभमन ने 700 से अधिक रन बनाये। वहीं एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में भी उपकप्तानी करते हुए उनकी बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और वह सात पारियों में 127 रन ही बना सके। इससे साफ है कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में रनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शुभमन के सीमित ओवरों में रन नहीं बना पाने का कारण टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत और पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने सभी प्रारूपों के कारण काम का बोझ ओर दो प्रारुपों में कप्तानी का दबाव बताया है। कैफ ने कहा कि एक युवा खिलाड़ी के लिए इतनी कम उम्र में लगातार तीन प्रारूपों में खेलना और साथ ही कप्तानी की जिम्मेदारी संभालना शारीरिक और मानसिक रूप से थकाने वाला अनुभव है।

कैफ ने कहा, उन्होंने काफी मैच खेले हैं। उन्हें अलग-अलग प्रारुपों में पारी की शुरुआत करनी होती है और कप्तानी भी। फिर आईपीएल की कप्तानी भी है। नीलामी होने वाली है और इसके लिए गुजरात टाइटंस के साथ उनकी बात चल रही होगी। उनके पास काफी काम है और ऐसा लग रहा है कि इससे उनकी बल्लेबाजी पर प्रभावह पड़ा है। वह मानसिक रूप से थका हुआ लग रहा था।'

श्रीकांत ने कहा, इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद वह अपने पर और बेहतर प्रदर्शन के लिए दबाव डाल रहे हैं। उन्हें ऐसा नहीं करते हुए अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। तीसरे एकदिवसीय में उनके आउट होने का कारण हेजलवुड की अच्छी गेंदबाजी रही। उनकी बॉडी लैंग्वेज देखकर लगता है कि वह दबाव में हैं, क्योंकि उन्होंने रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभाली हैं। शुभमन गिल सितंबर 2024 से लगातार भारतीय टीम के साथ जुड़े हुए हैं औ इससे भी उनपर थकान हावी है।

अबू धाबी टी10 18 नवंबर से शुरू होगा, इन टीमों के बीच होगा पहला मुकाबला

नई दिल्ली - अबू धाबी टी10 18 नवंबर से शुरू होकर 30 नवंबर, 2025 तक चलेगा। इस तेज–तरर्रर क्रिकेट टूर्नामेंट में लगभग दो हफ़्ते तक रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जिसमें खेल के कुछ सबसे बड़े नाम शामिल होंगे। सीजन के शुरुआती मैच में क्वेटा क्वालीफायर का सामना नॉर्दर्न वॉरियर्स से होगा, जिसके बाद गत विजेता डेक्कन ग्लेडिएटर्स और दिल्ली बुल्स के बीच एक रोमांचक मुकाबला होगा। यह टूर्नामेंट राउंड–रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा, जहां प्रत्येक टीम लीग चरण के दौरान प्रत्येक टीम से भिड़ेगी। ग्रुप मैचों के बाद, अंक तालिका में शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंच जाएंगी। प्लेऑफ चरण 29 नवंबर, 2025 को क्वालिफायर 1 के साथ शुरू होगा, जिसमें लीग चरण की शीर्ष दो टीमें हिस्सा लेंगी। इस मैच का विजेता फाइनल के लिए जगह बनाएगा, जबकि हारने वाली टीम को क्वालिफायर 2 में एक और मौका मिलेगा। उसी दिन, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर में भिड़ेंगी। इस मैच का विजेता क्वालिफायर 2 में जाएगा जबकि हारने वाली टीम प्रतियोगिता से बाहर हो जाएगी। क्वालिफायर 2, जो 30 नवंबर, 2025 को निर्धारित है, में क्वालिफायर 1 की हारने वाली टीम एलिमिनेटर के विजेता से भिड़ेगी और क्वालिफायर 1 के विजेता के साथ फाइनल में शामिल होगी। फाइनल मैच भी उसी दिन बाद में खेला जाएगा, जिससे इस हाई–वोल्टेज टूर्नामेंट का समापन हो जाएगा। फाइनल के बाद, प्रशंसकों के लिए एक भव्य समापन समारोह होगा, जिसमें चैंपियन और अबू धाबी टी10 के रोमांचक क्रिकेट तमाशे का जश्न मनाया जाएगा।

रवि शास्त्री ने दी ऑस्ट्रेलिया को चेतावनी, भारत के इस खिलाड़ी से संभलकर रहना

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरू होने जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लेकर पूर्व कोच रवि शास्त्री ने बड़ा बयान दिया है। शास्त्री का मानना है कि अभिषेक की विस्फोटक बल्लेबाज़ी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के लिए सिरदर्द साबित हो सकती है। 29 अक्टूबर से शुरू होने वाली इस सीरीज से पहले शास्त्री ने फॉक्स क्रिकेट से बातचीत में कहा, 'अभिषेक एक शानदार टी20 खिलाड़ी है। अगर वह कुछ देर तक क्रीज पर टिक गया, तो मनोरंजन की गारंटी है। चाहे आप भारतीय हों या ऑस्ट्रेलियाई, उनकी बल्लेबाज़ी देखकर मज़ा आएगा। वह अकेले अपने दम पर मैच का रुख बदल सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को उनसे सावधान रहना होगा।'

शमी ने 15 विकेट लेकर टीम इंडिया में वापसी की दावेदारी पेश की

नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने यहां रणजी ट्रॉफी के दो मैचों में 15 विकेट लेकर एक बार फिर राष्ट्रीय टीम में अपनी दावेदारी पेश की है। शमी ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में गुजरात के खिलाफ मुकाबले में आठ विकेट लेकर अपनी टीम को 141 ??रनों से जीत दिलाई। शमी ने अंतिम दिन दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे गुजरात की टीम 327 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 185 रनों पर ही आउट हो गई. शमी ने इस महीने की शुरुआत में ही उत्तराखंड के साथ बंगाल के पहले दौर के मुकाबले में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने उस मुकाबले में सात विकेट लिए थे और बंगाल को आठ विकेट से जीत मिली थी। दो मैचों में 15 विकेट लेकर शमी इस सत्र में जम्मू–कश्मीर के औकिब नबी डार 17 विकेट और सर्विसेज के अर्जुन शर्मा 16 विकेट के बाद तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। शमी चैम्पयंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। चयन समिति के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने हाल में कहा था कि उन्हें शमी की फिटनेस की जानकारी नहीं है। इसी कारण उनके नाम पर विचार नहीं हो रहा। अब शमी ने अपने प्रदर्शन से अपना फार्म और फिटनेस दिखायी है और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए दावा पेश किया है।

तुर्की की फुटबॉल लीग के सैकड़ों रेफरी सट्टेबाजी की जांच के घेरे में

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की फुटबॉल महासंघ (ञ्जस्नस्न) के अध्यक्ष इब्राहिम हासियोसमानोग्लू ने सोमवार को कहा कि तुर्की की पेशेवर फुटबॉल लीग में काम करने वाले सैकड़ों रेफरी सट्टेबाजी की गतिविधियों में लिप्त पाए गए हैं। इस्तांबुल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हासियोसमानोग्लू ने कहा कि उन्हें दंड के लिए अनुशासन समिति के पास भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी एजेंसियों के आंकड़ों से समर्थित एक आंतरिक जांच से पता चला है कि 571 सक्रिय रेफरियों में से 371 के पास सट्टेबाजी के खाते थे।

उन्होंने आगे कहा, 'राज्य संस्थानों से प्राप्त आंकड़ों और हमारी पेशेवर टीम के काम के अनुसार यह पाया गया कि पेशेवर लीगों में 571 सक्रिय रेफरी में से 371 के पास सट्टेबाजी खाते हैं। इनमें से 152 सक्रिय रूप से सट्टेबाजी करते पाए गए।' इस सूची में सात शीर्ष-श्रेणी के रेफरी, 15 शीर्ष-श्रेणी के सहायक रेफरी, 36 उच्च-श्रेणी के रेफरी और 94 उच्च-श्रेणी के सहायक रेफरी शामिल हैं।

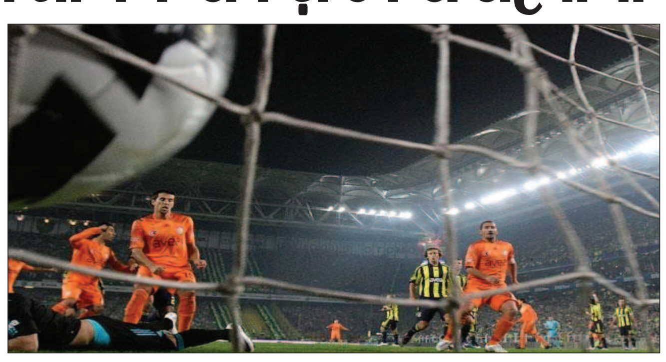

हसिओसमानोग्लू ने कहा कि 10 रेफरी ने 10,000 से ज्यादा दांव लगाए, एक रेफरी ने अकेले 18,227 दांव लगाए, और 42 रेफरी ने 1,000 से ज्यादा फुटबॉल मैचों पर दांव लगाया। हालांकि कुछ रेफरी केवल एक बार ही दांव लगाते पाए गए। उन्होंने कहा, 'आज से हमारा अनुशासन बोर्ड आवश्यक कार्रवाई करेगा। उन्हें जल्द ही बोर्ड के पास भेजा जाएगा और हमारे नियमों के अनुसार दंडित किया जाएगा।'

उन्होंने बताया कि महासंघ ने अपने निष्कर्षों को फीफा और यूईएफए के साथ साझा किया है। टीएफएफ अध्यक्ष ने बताया कि समीक्षा में रेफरी से आगे बढ़कर महासंघ के सदस्यों को भी शामिल किया गया। उन्होंने कहा, 'हमने रेफरी से शुरुआत की, जिनमें मैं और मेरे बोर्ड के सदस्य शामिल हैं।' उन्होंने फुटबॉल क्लबों से भी ऐसा ही करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'जैसे हम अपने घर की सफाई कर रहे हैं, वैसे ही क्लब अध्यक्षों को भी खुद से, अपने बोर्ड और अपने खिलाड़ियों से शुरुआत करनी चाहिए और परिणामों को पारदर्शी तरीके से जनता के साथ साझा करना चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा, 'अगर ऐसा नहीं होता है, तो हम संबंधित राज्य निकायों के साथ काम करना जारी रखेंगे और अपने निष्कर्षों को सार्वजनिक करेंगे।' हालांकि तुर्की में एक ही राज्य द्वारा संचालित प्रणाली के तहत खेलों पर सट्टा लगाना कानूनी है, लेकिन रेफरी, खिलाड़ियों और अधिकारियों को किसी भी फुटबॉल मैच पर सट्टा लगाने की सख्त मनाही है।

श्रेयस की हालत अब पहले से बेहतर : सूर्यकुमार

नई दिल्ली । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि श्रेयस अय्यर की हालत में सुधार आया है और वह पहले से ठीक हैं और बात भी कर रहे हैं। श्रेयस को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में क्षेत्ररक्षण के दौरान पसलियों में चोट लग गयी थी। जिसके बाद से ही वह आईसीयू में भर्ती थे। उन्हें अंतिम मैच में कैच पकड़ते समय पसलियों में चोट लगी थी। इसके बाद उनको अस्पताल ले जाया गया था, क्योंकि ड्रेसिंग रूम में वह दर्द से परेशान थे। सूर्यकुमार ने कहा, हमने उससे बात की है। जब हमें पहले दिन पता चला कि उसको चोट लगी है। तो मैंने पहले उसको ही फोन किया पर तब उसे पास फोन नहीं था। ऐसे में मैंने अपने फिजियो को फोन किया। तो उन्होंने बताया कि वो अब ठीक है। पहले दिन उनकी हालत खराब भी पर अब ठीक है। अभी दो दिन से वह बात कर रहा है। वह फोन पर जवाब दे रहा है। इसका मतलब है कि वह स्थिर है। डॉक्टर भी साथ ही में हैं जिससे साफ है कि सब ठीक है। सूर्या ने साथ ही कहा, डॉक्टरों के अनुसार अभी वह कुछ और दिन निगरानी में रहेगा। है। दूसरी बात ये कि देखिए हम लोग तो डॉक्टर नहीं है तो इस बारे में अधिक कुछ कह नहीं सकते। पहले हमें लगा था कि उसे सामान्य चोट लगी है पर बार में वह गंभीर निकली। डॉक्टर और फिजियो के अनुसार जो कुछ हुआ वह आम तौर पर नहीं होता। ऐसा कभी–कभार ही होता है। श्रेयस जैसी प्रतिभा भी तो हमेशा नहीं मिलती हालांकि भगवान की कृपा से अब वह ठीक हो रहे हैं। डॉक्टर उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाये हुए हैं।

रोहित और विराट को 2027 के लिए टीम में जगह मिलना तय: गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई सीरीज में जिस प्रकार से विराट कोहली और रोहित शर्मा ने खेला है। उसको देखते हुए इन दोनो को ही 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जगह मिलना तय है। गावस्कर के अनुसार इस दोनो के अनुभव और क्षमताओं को देखने हुए ही इन्हें विश्वकप के लिए जगह दी जाएगी। वहीं रोहित और विराट पहले ही ये संकेत दे चुके हैं कि इन्हें 2027 विश्वकप खेलना है।

गावस्कर ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों के फैसले और दबाव में फैसले लेने की उनकी क्लास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में देखने में आई। इस पूर्व कप्तान का मानना है कि इन दोनो को 2027 विश्व कप में खेलना चाहिये। गावस्कर ने कहा, 'जिस समय इन दोनो ने इस दौरे के लिए अपने को उपलब्ध कराया, उससे यह साफ हो गया कि वे 2027 विश्व कप में रहना चाहते हैं। अब से तब तक चाहे कुछ भी हो, चाहे वे रन बनाएं या नहीं। उनकी काबिलियत और अनुभव के साथ अगर वे उपलब्ध रहते हैं तो निश्चित रूप से टीम में होंगे। जिस प्रकार की लय इन दोनो ने ऑस्ट्रेलिया सीरीज में दिखायी है। उससे आज इन्हें दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए की टीम में जगह दे सकत हैं।' ऑस्ट्रेलिया दौरे में रोहित ने एक शतक और एक अर्धशतक लगाया। वहीं कोहली पहले दो एकदिवसीय में खाता नहीं खोल पाये पर तीसरे एकदिवसीय में उन्होंने नाबाद अर्धशतक लगाया। इन दोनो की 168 रनों की नाबाद साझेदारी से भारतीय टीम ने आसानी से तीसरा एकदिवसीय जीत लिया।

महिला विश्व कप : भारत के खिलाफ वापसी कर सकती है एलिसा हीली, पास किया फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान काफ इंजरी के कारण पिछले दो लीग स्टेज मैच से बाहर रहने वाली ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलिसा हीली भारत के खिलाफ वापसी कर सकती है। गुरुवार को मुंबई में हीली ने अच्छी रिकवरी करते हुए फिटनेस टेस्ट पास कर लिया। इसके बाद उन्होंने विकेट–कीपिंग ड्रिल में हिस्सा लिया और फिर एक फुल नेट सेशन किया, जिसमें उन्हें ICC वेबसाइट के अनुसार नेट बॉलर्स के खिलाफ बड़े शॉट मारते देखा गया। इंदौर में दक्षिण अफ्रीका पर ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद हेड कोच शेली निट्स्के ने उम्मीद जताई थी कि हीली सेमीफाइनल से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 विकेट से जीत के बाद निट्स्के ने कहा था, 'वह आज रात पूरी तरह फिट नहीं थीं, लेकिन उनका असेसमेंट जारी रहेगा। हम सेमीफाइनल के लिए बहुत उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन उससे पहले अभी कुछ दिन बाकी हैं। हम फिर से उम्मीद कर रहे हैं, जैसे–जैसे हम उसके करीब पहुंचेंगे, उनका असेसमेंट जारी रहेगा।' हीली डिफेंडिंग चैंपियन के लिए शानदार फॉर्म में रही हैं, उन्होंने वर्ल्ड कप में अब तक सिर्फ चार पारियों में 98 की औसत और 131.25 के स्ट्राइक–रेट से 294 रन बनाए हैं। उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन संयोग से भारत के खिलाफ आया जो ऑस्ट्रेलिया का अगला सेमीफाइनल विरोधी है। जब उन्होंने 21 चौकों और तीन छक्कों की मदद से शानदार 142 रन बनाए। इससे ऑस्ट्रेलिया को एक रिकॉर्ड जीत हासिल करने में मदद मिली। हीली की गैरमौजूदगी में ताहलिया मैकग्रा ने ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की, लेकिन कप्तान की वापसी गुरुवार को नवी मुंबई में होने वाले सेमीफाइनल से पहले डिफेंडिंग चैंपियन के लिए एक बड़ा बूस्ट होगा।

स्मृति मंधाना ने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ वनडे बैटिंग रैंकिंग में पक्का किया टॉप स्थान

दुबई (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार 109 रन और बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू ICC महिला क्रिकेट विश्व कप में 34 रन बनाकर महिला वनडे रैंकिंग में टॉप बल्लेबाज के तौर पर अपनी जगह पक्की कर ली है, जिससे उन्हें करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग मिली है।

मंधाना, जिन्हें सितंबर 2025 के लिए ICC महिला प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया था, 828 की रेटिंग पर पहुंच गईं, जो दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलियाई एशले गार्डनर से लगभग 100 अंक ज्यादा है। गार्डनर 731 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं और टूर्नामेंट में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद शतक के दम पर छह स्थान ऊपर चढ़ गई हैं। मंधाना की ओपनिंग पार्टनर प्रतिका रावल, जो चोट के कारण टूर्नामेंट के बाकी मैचों में नहीं खेल पाएंगी, ने भी बड़ी छलांग लगाई और टॉप 30 में जगह बनाते हुए 564 की रेटिंग के साथ 27वें स्थान पर पहुंच गईं।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट भी 90 और 31 रन बनाकर टॉप तीन में पहुंच गईं, दो स्थान ऊपर चढ़ गईं। इंग्लैंड की एमी जोन्स चार स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर (656) पहुंच गईं, जबकि एनाबेल सदरलैंड 16 स्थान ऊपर चढ़कर 16वें स्थान पर (613) पहुंच गईं, जो टॉप 40 खिलाड़ियों में सबसे बड़ी छलांग है।

गेंदबाजों में इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 747 रेटिंग के साथ बॉलिंग चार्ट में सबसे आगे हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया की अलाना किंग करियर की सबसे ऊंची रेटिंग 698 के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गईं, उन्होंने अपनी टीम की साथी एश गार्डनर को पीछे छोड़ दिया, जो तीसरे स्थान पर (689) खिसक गईं।

पाकिस्तान की नशरा संधू साथी लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा (610) के साथ संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर हैं, जबकि तेज गेंदबाज मारिजेन कैप और एनाबेल सदरलैंड भी एक-एक स्थान ऊपर चढ़कर क्रमशः चौथे और सातवें स्थान पर पहुंच गईं। गार्डनर के कमाल ने ऑल-राउंडर रैंकिंग में उनकी नंबर 1 पोजीशन (रेटिंग 503) पक्की कर दी है, हालांकि उनके पीछे अब नई नंबर 2 खिलाड़ी मैरिज़ेन कैप हैं, जिन्होंने 422 की रेटिंग के साथ वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज को पीछे छोड़ दिया है। इस बीच सदरलैंड चौथे स्थान पर खिसक गईं।

द गर्लफ्रेंड कोई साधारण प्रेम कहानी नहीं : रश्मिका मंदाना

बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की रोमांटिक ड्रामा फिल्म द गर्लफ्रेंड जल्द ही रिलीज होने वाली है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है।
रश्मिका ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह कोई साधारण प्रेम कहानी नहीं, यह आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। फिल्म द गर्लफ्रेंड का ट्रेलर रिलीज। फिल्म में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ अभिनेता धीक्षित शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। 2 मिनट 39 सेकंड के ट्रेलर में रश्मिका भूमा के किरदार में और धीक्षित विक्रम के किरदार में नजर आएंगे।
फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, फिल्म में अनु इमैनुएल का किरदार भी अहम है। फिल्म तेलुगु के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी। ट्रेलर में दिखाया गया है कि विक्रम (धीक्षित) को एक टॉक्सिक, डॉमिनेटिंग, घमंडी, हिंसक और शक्की बॉयफ्रेंड के रूप में दिखाया गया है, जबकि भूमा एक साधारण और सहज लड़की है, जो एक टॉक्सिक रिश्ते के बोझ में दबी है। ट्रेलर की शुरुआत में रश्मिका (भूमा) झिझकते हुए विक्रम से कहती है कि क्या हम थोड़ा ब्रेक ले सकते हैं? जिस पर रिएक्ट करते हुए विक्रम कहता है, ब्रेक का मतलब एक से ब्रेक है। इसके बाद कहानी पीछे जाती है, जहां विक्रम भूमा को प्रपोज करता है, जिसमें वह कहता है, परसों शुभ मुहूर्त है, चलो शादी कर लेते हैं। विक्रम को भूमा पर पूरा भरोसा है, लेकिन भूमा झिझकते हुए उसे बॉयफ्रेंड कहती है। फिल्म का लेखन और निर्देशन राहुल रविंद्रन ने किया है। हेशाम अब्दुल वहाब ने म्यूजिक दिया है और सिनेमैटोग्राफी कृष्णन वसंत ने की है। द गर्लफ्रेंड एक इमोशनल कहानी का वादा करती है, जो प्रेम और रिश्तों की जटिलताओं को उजागर करेगी।

उर्वशी रौतेला के अलग-अलग तीन गानों रचा इतिहास

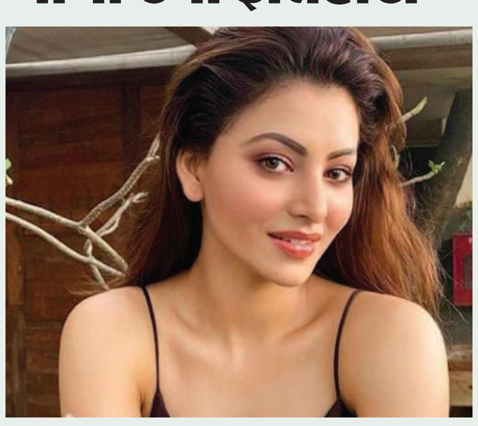

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने वह कर दिखाया है जो अब तक किसी भारतीय अभिनेत्री ने हासिल नहीं किया। यूट्यूब पर उनके तीन गाने अलग-अलग तौर पर एक-एक अरब व्यूज़ के क़रीब पहुंच रहे हैं, जो मिलकर लगभग तीन अरब व्यूज़ का अभूतपूर्व आंकड़ा बनाते हैं। इसके साथ ही, वह न सिर्फ़ पहली, बल्कि इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे युवा भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। यह जीत केवल संख्याओं की नहीं है—यह उनके वैश्विक प्रभाव, जबरदस्त लोकप्रियता और बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस का प्रमाण है। भारत से लेकर दुनिया के तमाम देशों तक, संगीत प्रेमियों ने उर्वशी के गानों को अपनाया है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय एंथम का दर्जा दिया है। हर गाना, जो अपने-अपने स्तर पर एक अरब व्यूज़ के करीब है, यह स्पष्ट करता है कि डिजिटल दुनिया में उनका प्रभाव कितनी तेज़ी से बढ़ रहा है। इस उपलब्धि की सबसे खास बात है उनकी सफलता की निरंतरता। ये कोई एक-दो बार वायरल होने वाले गाने नहीं हैं ये वो गाने हैं जिन्हें लोग बार-बार सुनते हैं, सेलिब्रेट करते हैं, नाचते हैं और पीढ़ियों व सीमाओं के पार शेयर करते हैं। ऐसे दौर में, जहाँ डिजिटल मौजूदगी ही प्रभाव को तय करती है, उर्वशी ने खुद को उस मुकाम पर पहुंचाया है जहाँ पहुंचना बहुतों के लिए नामुमकिन होता है। एक युवा प्रतिभा से अरबों दर्शकों द्वारा देखी जाने वाली ग्लोबल आर्टिस्ट बनने तक का उनका सफर केवल प्रेरणादायक ही नहीं ऐतिहासिक है। हर नए मुकाम के साथ वह धारणाएँ बदल रही हैं, महिला कलाकारों के लिए नए मानक गढ़ रही हैं और भारतीय टैलेंट को विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों तक ले जा रही हैं।

कशिका कपूर की शालीनता ने मंत्रमुग्ध कर दिया सभी को

हाल ही में कशिका कपूर 'पिच टू गेट रिच' की स्क्रीनिंग पर पहुंचीं। जो एक साधारण पापाराज़ी मोमेंट के रूप में शुरू हुआ था, वह कुछ ही पलों में वायरल संसेशन बन गया फैन्स और मीडिया दोनों उनकी शालीनता और स्वाभाविक आकर्षण से मंत्रमुग्ध रह गए। अब वायरल हो चुके वीडियो में कशिका अपने सिग्नेचर स्टाइल में रेड कार्पेट पर चलती नज़र आती हैं आत्मविश्वास से भरी हुई, लेकिन बिना किसी दिखावे के। न कोई ओवर-ड्रामैटिक अंदाज़, न कोई बनावट बस एक शांत आभा, जो बिना कोशिश के ही सबका ध्यान खींच लेती है। इंटरनेट जहां उनके पेस्टल मिंट आउटफिट की तारीफ़ कर रहा था, वहीं यह साफ़ दिख रहा था कि बात सिर्फ़ कपड़ों की नहीं थी बल्कि उनकी मौजूदगी की थी। कशिका ने खुद को उस शख्सियत के रूप में पेश किया जो जानती हैं कि वो कौन हैं और कहां जा रही हैं। हर फ़्रेम में उनके सफ़र की झलक थी एक उभरती हुई अदाकारा से लेकर भारतीय सिनेमा की नई लहर को परिभाषित करने वाले चेहरों में से एक बनने तक। कशिका की ख़ासियत उनकी संतुलन भरी शालीनता है ग्लैमर के बीच भी ज़मीन से जुड़ी हुईं। वायरल होने के बावजूद, वो खुद को सच्चाई से पेश करती हैं अपनापन और आकर्षण का सुंदर मेल। इस इवेंट में उनका आत्मविश्वास और गरिमा एक बार फिर साबित करते हैं कि कशिका कपूर सिर्फ़ दिखने के लिए नहीं हैं बल्कि याद किए जाने के लिए हैं। मालूम हो कि कभी-कभी कोई रेड कार्पेट लम्हा सिर्फ़ फैशन तक सीमित नहीं रहता वो बन जाता है एक अभिव्यक्ति, व्यक्तित्व और शांत शक्ति का प्रतीक।

बेबाकी और हिम्मत की मिसाल बनीं मल्लिका शेरावत

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत ने परिवार के विरोध, समाज की बंदिशों और आलोचनाओं के बावजूद अपने सपनों की राह चुनी। हिंदी सिनेमा की दुनिया में नाम कमाना जितना आसान दिखता है, उतना ही कठिन होता है। इसके बावजूद मल्लिका ने हार नहीं मानी। मल्लिका कहती हैं कि अगर किसी चीज को

पाने की सच्ची चाह हो, तो दुनिया की कोई ताकत आपको रोक नहीं सकती। यही जिद उन्हें हरियाणा के छोटे से गांव से मुंबई तक ले आई और उन्होंने साबित कर दिया कि आत्मविश्वास और मेहनत से असंभव भी संभव हो सकता है। 24 अक्टूबर 1976 को जन्मी मल्लिका शेरावत का असली नाम रीमा लांबा है। परिवार ने उनके फिल्मों में आने के फैसले का कड़ा विरोध किया, लेकिन मल्लिका के मन में कुछ बड़ा करने की आग थी। उन्होंने घर छोड़ दिया और बिना किसी सहारे मुंबई पहुंच गईं। वह बताती हैं, 'जब मैं हरियाणा से मुंबई आई, मेरी जेब में दस रुपए थे या नहीं, किसी ने नहीं पूछा।
कोई लाल कालीन नहीं बिछा था। लेकिन मैंने ठान लिया था कि अपनी जिंदगी अपने नियमों से जीऊंगी।' मल्लिका ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की और अमिताभ बच्चन व शाहरुख खान जैसे दिग्गजों के साथ विज्ञापनों में काम किया। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों के ऑडिशन मिलने लगे और 2004 में आई फिल्म मर्डर ने उनकी किस्मत बदल दी। इस फिल्म ने मल्लिका को रातोंरात स्टार बना दिया और वह बॉलीवुड की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। मल्लिका ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मर्डर इतनी बड़ी हिट होगी। मैं भट्ट साहब की फिल्में देखकर बड़ी हुई थी। इमरान हाशमी जेंटलमैन थे और बोल्ड सीन के बावजूद मैं हमेशा सुरक्षित महसूस करती थी।' फिल्म की सफलता के साथ मल्लिका को जहां शोहरत मिली, वहीं कई विवाद भी सामने आए।
उन्होंने कहा कि लोग उनके ऑन-स्क्रीन किरदार को उनकी असल जिंदगी से जोड़ने लगे। 'लोगों को लगता था कि अगर मैं स्क्रीन पर बोल्ड सीन कर सकती हूं तो निजी जीवन में भी वैसी ही हूं। लेकिन मैंने हमेशा कहा कि रील और रियल लाइफ अलग होती हैं,' मल्लिका ने कहा। मल्लिका ने अपनी जिंदगी में अनुशासन को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, 'मैं शाकाहारी हूं, शराब-सिगरेट नहीं छूती, देर रात तक पार्टियों में नहीं जाती। मैं जल्दी सोती हूं, जल्दी उठती हूं और अपनी फिटनेस का पूरा ध्यान रखती हूं। मैंने कभी प्लास्टिक सर्जरी नहीं करवाई क्योंकि इसकी जरूरत ही नहीं पड़ी।' मल्लिका ने हॉलीवुड में जैकी चैन के साथ द मिथ में काम किया, कान्स फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की और कमला हैरिस व बराक ओबामा जैसे दिग्गजों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि भले ही परिवार ने कभी नहीं कहा कि उन्हें उन पर गर्व है, लेकिन दुनिया से मिला सम्मान उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है।'

बॉलीवुड में हक से वर्तिका सिंह करेंगी डेब्यू

आगामी फिल्म हक बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की इस फिल्म से पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया-सुपरमॉडल वर्तिका सिंह बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही है। इस फिल्म में वर्तिका एक ऐसी महिला की भूमिका निभाएंगी जो भावनात्मक रूप से बहुत मजबूत है। सुपर्ण वर्मा इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। एक्ट्रेस 'द फैमिली मैन' और 'राणा नायडू' जैसी वेब सीरीज में अपने संजीदा अभिनय के लिए जानी जाती हैं। फिल्म में अपने रोल के लिए वर्तिका ने काफी ट्रेनिंग ली। उन्होंने कई भाषा के जानकारों से उनके किरदार के लिए बोलने का लहजा सीखा। कई वर्कशॉप भी लीं। वर्तिका सिंह लखनऊ की रहने वाली हैं।

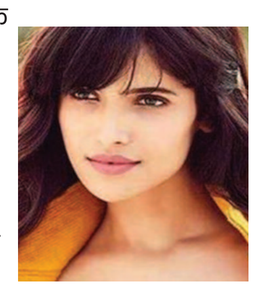

इस फिल्म की शूटिंग लखनऊ में भी हुई है। मेकर्स का कहना है कि इस रोल के लिए वह बिलकुल परफेक्ट थीं। वर्तिका सिंह ने 2019 में मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब अपने नाम किया था। उन्होंने मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के 68वें संस्करण में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले उन्हें 2015 में फेमिना मिस इंडिया ग्रैंड इंटरनेशनल का ताज पहनाया गया। जीक्यू मैगजीन ने उन्हें 2017 में भारत की सबसे खूबसूरत महिलाओं में शुमार किया था। फिल्म हक की कहानी साल 1985 के प्रसिद्ध शाह बानो बनाम अहमद खान केस से प्रेरित है, जो महिला अधिकारों और सामाजिक न्याय की दिशा में एक मील का पत्थर माना जाता है। फिल्म में यामी गौतम शाह बानो का किरदार निभा रही हैं, जबकि इमरान हाशमी उनके पति मोहम्मद अहमद खान की भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म हक को सुपर्ण एस वर्मा ने डायरेक्ट किया है। इसमें शीबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हट्टंगडी जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी मशहूर जर्नलिस्ट जिग्ना वोरा की बुक बानो- भारत की बेटी पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद जिग्ना वोरा ने कहा था कि फिल्म में सभी कलाकारों ने अपने-किरदार के साथ न्याय किया है।

फिल्म इंडस्ट्री के एक हिस्से में स्थायी सोच पनपी हुई है: अभिनव कश्यप

बालीवुड फिल्म निर्देशक अभिनव कश्यप ने सुपर स्टार सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान के संदर्भ में अपने अनुभव और नाखुशी जाहिर की। अभिनव ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री के एक हिस्से में एक स्थायी सोच पनपी हुई है जो नए नजरिये और क्रिएटिविटी को दबा देती है। उनके मुताबिक इंडस्ट्री में यह धारणा फैली है कि फिल्में हीरो के दम पर चलती हैं और फ्लॉप होने पर निर्देशक को ही जिम्मेदार ठहराया जाता है जिसे उन्होंने जिहादी मानसिकता तक कह डाला। अभिनव ने बताया कि शाहरुख के साथ उनकी करीबी बातचीत रही है और आमिर के साथ भी उन्होंने काम किया है, इसलिए उनके अनुभवों की बुनियाद पर वे इन टिप्पणियों को कर रहे हैं।
शाहरुख के बारे में वे कुछ बातें सार्वजनिक नहीं करना चाहते क्योंकि उनका मानना है कि इससे शाहरुख के परिवार पर असर पड़ सकता है अगर मैं उनके खिलाफ खुल जाऊं तो बहुत कुछ बिगड़ जाएगा, उन्होंने कहा। उन्होंने जोर देकर कहा कि शाहरुख को वे एक पारिवारिक व्यक्ति समझते हैं और उनके घर-परिवार को संकट में नहीं डालना चाहते। वहीं आमिर खान को लेकर अभिनव ने कड़ा रुख अपनाया और उन्हें सबसे चालाक लोमड़ी और मैनिपुलेटिव बताया। उन्होंने कहा कि आमिर ने उन्हें भी कई बार मैनिपुलेट किया और उनके काम करने के तरीके पर भी सवाल उठाए। अभिनव ने यह भी दावा किया कि आमिर कई बार कई टेक्स लेते हैं जबकि उनका पहला और आखिरी टेक समान रहता है और उन्होंने कुछ व्यक्तिगत किस्सों का भी जिक्र किया।
सलमान खान पर अभिनव ने पहले भी तीखी बातों की हैं और इस इंटरव्यू में उन्होंने फिर उनसे जुड़ी आलोचनात्मक टिप्पणियां दोहराईं। साथ ही उन्होंने सलीम खान और कुछ अटकलों को जोड़ते हुए विवादित शब्दों का प्रयोग किया, जिनमें उन्होंने लव जिहादी और थूक जिहादी जैसे उपमाओं का इस्तेमाल किया। ये टिप्पणियां सोशल और व्यक्तिगत व्यवहार पर उनकी व्यंग्यात्मक टिप्पणी के रूप में आईं। अभिनव के बयान बॉलीवुड के भीतर चल रहे गहन गुटबाजी और शक्ति-संबंधों की चर्चा को फिर से हवा देंगे। उनके आरोपों और टिप्पणियों ने इंडस्ट्री में सार्वजनिक बहस को नई त्वरितता दी है, जबकि जिन पर निशाना साधा गया है उन्होंने अभी तक आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

श्रद्धा दास आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहुंची

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा दास सीरीज़, सर्च- द नैना मर्डर केस में उनके रोल ने उन्हें आधिकारिक आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पर पहुँचा दिया है। एक्ट्रेस पैन इंडिया स्टार अब शाहरुख खान, सलमान खान, जान्हवी कपूर, कियारा आडवाणी और कोंकणा सेन शर्मा जैसी हस्तियों से आगे निकल गई हैं। आईएमडीबी रैंक में इस नाटकीय उछाल के बारे में जानकर अभिनेत्री ने आश्चर्य व्यक्त किया। दास ने कहा, मुझे इस बारे में पता नहीं था जब तक कि मेरे एक दोस्त ने मुझे यह नहीं भेजा और 15 से 4 पर आने के कारण मैं बहुत अभिभूत और हैरान थी! सीरीज़ में रक्षा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इस नई पहचान का श्रेय दर्शकों के प्यार को दिया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि सर्च- द नैना मर्डर केस सीरीज़ में मेरा रक्षा का किरदार मुझे दर्शकों से इतना प्यार दिलाएगा!

रोम में छुट्टियों का भरपूर आनंद लिया सैयामी खेर ने

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर ने इटली की राजधानी रोम में अपनी छुट्टियों का भरपूर आनंद लिया। सैयामी ने इस यात्रा को खास बनाने के लिए दो सबसे प्रिय चीजों को जोड़ा। पहला परिवार के साथ समय बिताना और दूसरा दौड़ना। एक्ट्रेस ने बताया कि जब भी वह किसी नए शहर में जाती हैं, तो वहां की सड़कों पर दौड़ना उनके लिए उस जगह को महसूस करने का एक अनोखा तरीका है। इस बार भी उन्होंने अपने माता-पिता और बहन के साथ रोम के ऐतिहासिक और खूबसूरत नजारों का आनंद लिया और साथ ही रोम हाफ मैराथन में हिस्सा लेकर अपनी यात्रा को यादगार बना दिया। सैयामी ने कहा, 卐मेरे लिए किसी शहर को जानने का सबसे अच्छा तरीका है पैदल चलना या दौड़ना। रोम में दौड़ना एक अद्भुत अनुभव था। दौड़ के दौरान मैंने स्पेनिश स्टेप्स, ट्रेवी फाउंटेन और कोलोसियम जैसी प्रतिष्ठित जगहों से होकर गुजरते हुए शहर की ऊर्जा को महसूस किया।
हर मोड़ पर इतिहास और संस्कृति की झलक मिल रही थी।卐 उन्होंने बताया कि दौड़ के दौरान मौसम बेहद सुहावना था और ताजी हवा ने पूरे अनुभव को और भी खास बना दिया। सैयामी ने आगे कहा, 卐कुछ पल ऐसे थे जब लगा ही नहीं कि मैं दौड़ रही हूं। मैं बस मुस्कुरा रही थी और रोम के माहौल में खो गई थी। 21 किलोमीटर की दौड़ पूरी करने के बाद मैंने पिज्जा और आइसक्रीम खाई और हर निवाले का पूरा आनंद लिया।卐 अभिनेत्री ने कहा कि उनके लिए दौड़ना सिर्फ एक फिटनेस एक्टिविटी नहीं, बल्कि आत्मिक संतुलन पाने का जरिया है। रोम की यात्रा के दौरान सैयामी ने परिवार के साथ शहर की ऐतिहासिक गलियों और प्रसिद्ध स्थलों की सैर भी की। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी छुट्टियों की झलकियां साझा कीं, जिन्हें उनके फैंस ने खूब पसंद किया। सैयामी का कहना है कि परिवार के साथ समय बिताना उन्हें मानसिक रूप से तरोताजा कर देता है और इससे उन्हें नए प्रोजेक्ट्स के लिए ऊर्जा मिलती है। सैयामी का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बेहद खास है और उन्होंने इसमें अपनी भूमिका को लेकर काफी मेहनत की है। रोम की सड़कों पर सैयामी खेर का यह दौड़ता हुआ सफर न सिर्फ फिटनेस के प्रति उनके जुनून को दिखाता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि जीवन के हर पल को पूरे दिल से जीना ही असली सफलता है। मालूम हो कि सैयामी के प्रशंसक उनकी आने वाली फिल्म हैवान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2016 की मलयालम सुपरहिट ओप्पम का हिंदी रीमेक है। फिल्म में सैयामी के साथ सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी और श्रिया पिलगांवकर जैसे सितारे नजर आएंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।